मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 133
मंगलवार, 26 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हंगामेदार रहा संसद का पहला दिन, नहीं हो सका कामकाज

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। संसद के शीतकालीन सत्र का आज से आगाज हुआ है। हालांकि आगाज शोर शराबे वाला रहा। आज दोनों सदनों में जबरदस्त तरीके से विपक्ष ने हंगामा किया जिसके बाद दोनों सदनों को स्थगित करना पड़ा है। 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक संसद का शीतकालीन सत्र चलेगा। यह सत्र काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। बताया जा रहा है कि सत्र में विचार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक सहित 16 विधेयकों की सूची तैयार की गई है। साथ ही साथ कई महत्वपूर्ण विधेयकों को इस सत्र के दौरान पारित करने की कोशिश की जाएगी। मंगलवार को दोनों सदनों में कार्यवाही नहीं हो सकेगी क्योंकि संविधान दिवस है और इसपर स्पेशल आयोजन किया जा रहा है। महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत से उत्साहित सत्तापक्ष के सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने पर मोदी-मोदी के नारे लगाकर उनका अभिवादन किया। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन की बैठक शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी जब पहुंचे तब केंद्रीय मंत्रियों समेत सत्तापक्ष के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और उन्होंने मोदी-मोदी के नारे लगाए। सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने जय भवानी का नारा भी लगाया।

नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें लोगों ने 80-90 बार खारिज कर दिया है, वे अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए हुड़दंगबाजी का सहारा लेकर संसद को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से सत्र के दौरान स्वस्थ चर्चा में भाग लेने का आह्वान भी किया और इसके परिणामकारी होने की उम्मीद भी जताई। मोदी ने कहा कि ऐसे मुट्ठीभर लोग अपने इरादों में कामयाब नहीं हो सके और देश के लोगों ने उनके कार्यों को देखा और उचित समय पर उन्हें दंडित भी किया।

अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के चलते सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा की बैठक आरंभ होने पर सदन ने दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि नियम 267 के तहत उन्हें कुल 13 नोटिस मिले हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद पुनः शुरू होने के एक मिनट के अंदर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी और प्रश्नकाल समेत कोई विधायी कामकाज नहीं हुआ। निचले सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वर्तमान लोकसभा के सदस्य रहे वसंत राव चव्हाण और नूरुल इस्लाम तथा पूर्व सदस्यों एम एम लॉरेंस, एम पार्वती एवं हरीश चंद्र देवराव चव्हाण के निधन के बारे में सदन को सूचित किया। सभा ने कुछ क्षण मौन रखकर दिवंगत सांसदों और पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद कुछ विपक्षी सदस्य एक उद्योगपति से जुड़े मामले और उत्तर प्रदेश के संभल में रविवार को हुई हिंसा के मुद्दे को उठाने का प्रयास करते सुने गए और हंगामे के बीच बिरला ने करीब 11 बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनावः मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, 25 नवम्बर। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है। सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ईवीएम निमार्ताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा, किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क(सोशल मीडिया कंपनी एक्स के मालिक) ने भी यह बात कही है।कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर हुई मौत

इम्तियाज अहमद/ आफताब आलम जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय क्षेत्र के कस्बा मानी कलाँ निवासी अंसार अहमद उर्फ नाटे उम्र लगभग 52 वर्ष की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। एक दिन पूर्व रविवार को अपनी बेटी की शादी कर विदाई किए थे ।सोमवार को किसी काम से जौनपुर शहर दो पहिया वाहन से गए हुए थे ।शहर से वापस लौटते समय लगभग 4:00 बजे पूर्वांचल पुलिस चौकी और पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के बीच में हरियाणा नंबर की ट्रक गाड़ी संख्या ल्फ 47 ऋ3686 ,पूर्वांचल चौकी से गाड़ी संख्या की जानकारी मिली है ।

बाइक सवार अंसार अहमद को टक्कर मार दिया जिसके कारण अंसार अहमद ट्रक के नीचे आ गया ।मौके पर ही अंसार की मौत हो गई। आसपास के दुकानदारों ने ट्रक को दौड़ाकर करंजकला ब्लॉक के पास पकड़ लिया ।उसके बाद पुलिस को सूचना दिए पुलिस मौके पर पहुंचकर ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया ।जब इसकी सूचना अंसार अहमद के परिजनों को लगी तो लोग आनन फानन में जिला अस्पताल पहुंच गए ।जब वहां जाकर मौके पर देखा तो अंसार अहमद की मौत हो चुकी थी ।मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस विधि कार्रवाई में जुटी हुई है। जब अंसार अहमद की मौत की खबर कस्बा वासियों को हुई तो किसी को यकीन नहीं हो रहा था ।हर कोई यही कहता रहा अभी कल ही बेटी को हासी खुशी बिदा किये थे ।मगर होनी को कौन टाल सकता है ।पूरा गांव इस शोक में डूबा हुआ है ।मृतक अंसार अहमद के 3 बेटे 1 बेटी है।

देश के भूले गौरव को पुनर्स्थापित करने की जरूरतः मोहन भागवत

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। यहां राष्ट्रवादी विचारकों के सम्मेलन लोकमंथन-2024 के समापन कार्यक्रम में भागवत ने कहा, इसके लिए हमें पहले जड़ से अध्ययन करना होगा और अपने विचारों को उसी दायरे में रखना होगा। खासकर नई पीढ़ी को इसके बारे में सोचने की जरूरत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारत के भूले गौरव को फिर से स्थापित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत दुनिया से अच्छी चीजें ले सकता है लेकिन उसे अपनी आत्मा और प्रकृति को बरकरार रखना चाहिए।

यहां राष्ट्रवादी विचारकों के सम्मेलन लोकमंथन-2024 के समापन कार्यक्रम में भागवत ने कहा, इसके लिए हमें पहले जड़ से अध्ययन करना होगा और अपने विचारों को उसी दायरे में रखना होगा। खासकर नई पीढ़ी को इसके बारे में सोचने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले सवालों का जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि देश व्यावहारिक और दार्शनिक दुनिया में पहले ही जीत चुका है। भागवत ने बिना ज्यादा कुछ बताए कहा, हार को छिपाने के लिए दुरुपयोग की प्रवृत्ति है। कुछ ऐसा ही हो रहा है। कुछ दिन पहले चुनाव हुए थे। आप इसे देख सकते हैं ।उन्होंने कहा कि पिछले 2,000 वर्षों में किये गए सभी प्रयोग (जिनमें ईश्वर में विश्वास करने वाले और विश्वास नहीं करने वाले, व्यक्तिवादी और समाजवादी भी शामिल हैं) लड़खड़ा गए और भारत की ओर देख रहे हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमें उन सवालों का जवाब क्यों देना चाहिए? हमें उनके नियमों के अनुसार उनके मैदान में कबड्डी क्यों खेलनी चाहिए? हमें दुनिया को अपने मैदान में लाना है।

भागवत ने देश के दार्शनिक ज्ञान से समर्थित विज्ञान के महत्व के बारे में बात करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग में नैतिकता पर जोर देने वाले वैज्ञानिकों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारत की मूल्य प्रणाली व्यक्ति की बुद्धिमत्ता पर जोर देती है और मुद्दों के प्रति भारत के दृष्टिकोण में तर्क और बुद्धिमत्ता शामिल है।

उन्होंने कहा कि देश को समस्याओं के प्रति अन्य दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता नहीं है। भारत विदेशों से अच्छी चीजें ले सकता है लेकिन उसकी अपनी आत्मा और संरचना होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें अपने सनातन धर्म और संस्कृति को समसामयिक स्वरूप देने पर विचार करना होगा। भागवत ने कहा, हमें जो करना है वह यह है कि हमें भारत के भूले हुए गौरव को फिर से स्थापित करना है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने धर्मग्रंथों का उदाहरण देते हुए कहा कि वनवासियों के साथ कभी कोई भेदभाव नहीं था। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी भी कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में शामिल थे।

रायबरेली में ट्रक से टकरायी कार, दो किशोरियों की मौत

रायबरेली, 25 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में रायबरेली-सुलतानपुर मार्ग पर कार और ट्रक के बीच टक्कर में दो किशोरियों की मौत हो गई तथा चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अमेठी जिले के कीरियावां के निवासी हरिहर सिंह (55), काव्या सिंह (15), धाव्या सिंह (16), किशन सिंह(15), प्रतापगढ़ के सांगीपुर लखरा निवासी अनुज सिंह (49) और साक्षी सिंह (15) रविवार को किसी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे।

उसने बताया कि रास्ते में मालिन का पुरवा गांव के पास उनकी कार के चालक ने आगे जा रही बस से आगे निकलने की कोशिश की तभी उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई ।पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। उसने बताया कि हादसे में साक्षी और काव्या की मौत हो गई और घायल चार अन्य लोगों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया। किशोरियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मणिपुर में प्रतिबंधित यूएनएलएफ के दो सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पाम्बेई ग्रुप) के दो सदस्यों को जबरन वसूली में शामिल होने के आरोप में मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि दोनों आरोपियों की पहचान थौदम इबुंगोबी मेइती और चानम राशिनी चानू के रूप में हुई है और उन्हें 23 नवंबर को खुरई अहोंगेई लाबुक लीराक इलाके से गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है कि उनके पास से हथियार और गोला-बारूद, एक वायरलेस रेडियो सेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित यूएनएलएफ (पाम्बेई समूह) ने 2023 में केंद्र सरकार के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे लेकिन इसके सदस्य जबरन वसूली में शामिल रहे हैं।

शीतकालीन सत्र की शुरूआत के साथ अडानी के मुद्दे पर विपक्ष का जोर

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को नियम 267 के तहत कार्य निलंबन नोटिस जारी कर अडानी समूह के कथित कदाचार की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाने पर चर्चा का आग्रह किया। नियम 267 राज्यों की परिषद में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों का हिस्सा है जो सदस्यों को तत्काल मामलों पर चर्चा करने के लिए नियमों के निलंबन के लिए आगे बढ़ने की अनुमति देता है। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को खड़गे के पत्र में कहा गया है, मैं राज्यों की परिषद (राज्यसभा) में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 267 के तहत नोटिस देता हूं ।25 नवंबर 2024 के लिए सूचीबद्ध व्यवसाय के निलंबन के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का मेरा इरादा है। यह सदन एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन पर चर्चा करने के लिए शून्यकाल और प्रश्नकाल और दिन के अन्य व्यवसायों से संबंधित प्रासंगिक नियमों को निलंबित करता है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि अदानी समूह के भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप, विशेष रूप से भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) निविदा के संदर्भ में कथित कदाचार की जांच करना शामिल हैं। खड़गे के पत्र में यह भी कहा गया है कि अडानी समूह द्वारा व्यापक स्टॉक हेरफेर, लेखांकन धोखाधड़ी, टैक्स हेवन के शोषण और ऋण के महत्वपूर्ण संचय के आरोपों पर भी चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक चालों का अडानी के अंतरराष्ट्रीय व्यापार विस्तार के साथ तालमेल पर गंभीर चिंताएं, भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा की कीमत पर निजी हितों को बढ़ावा देने के लिए राज्य मशीनरी के संभावित दुरुपयोग के बारे में सवाल उठा रही हैं।

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

-ललित गर्ग

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता?

एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक-दूसरे को भाई समान समझें। यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नीड़-सा लगे। भारत में हिन्दू-मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है - आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति मे सही दिशा बताता है।

कनाडा का फिर बदल रहा है मिजाज, जाने क्या रही हकीकत

अशोक भाटिया

भारत और कनाडा के बीच संबंधों में काफी समय से जो तल्खी चली आ रही थी, अब उसमें कमी होने के आसार हैं। जहां कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार की ओर से लगातार भारत सरकार के मंत्रियों और अहम पद पर आसीन लोगों पर तमाम तरह के भ्रामक आरोप लगाए जा रहे थे, अब कनाडा के ही अधिकारी ने इन आरोपों को लेकर कहा है कि यह 'अटकलबाजी और गलत' हैं। कनाडा की ओर से जब से इस प्रकार के आरोप कनाडा की अल्पमत की सरकार की ओर से लगाए जा रहे थे तब से लगातार भारत ने इसका कड़ाई से विरोध किया था। विदेशमंत्री एस जयशंकर कई मंचों से लगातार कनाडा के आरोपों पर मुखर होकर जवाब दे रहे थे। भारत की ओर से स्पष्ट तौर आरोप नकारे जाने के बाद और फिर कनाडा से लगातार सबूतों की मांग की गई। कनाडा की ओर से कभी भी एक भी सबूत नहीं देने पर भारत ने आरोपों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई से इनकार कर दिया था।

हाल फिलहाल खालिस्तान प्रेम में डूबे जस्टिन ट्रूडो आखिरकार पटरी पर आ गए हैं। आतंकी निज?जर की हत?या के मामले में भारत के खिलाफ बयानबाजी करने के मामले में समझ आ गया है कि भारत से पंगा लेना भारी पड़ सकता है। भारत की सख?ती देख अब कनाडाई प्रधानमंत्री के सुर बदल गए हैं और कनाडा की सरकार बैकफुट पर आ गई है। यहां तक कि अब तो उन?होंने अपने ही सुरक्षा अधिकारियों को 'अपराधी' बताते हुए इस मामले से पल?ला झाड़ने की कोशिश भी की है।

दरअसल, खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत से जुड़ी एक फर्जी रिपोर्ट के बाद मीडिया में जानकारी लीक करने के मामले में जस्टिन ट्रूडो ने यह बयान दिया है। इस फर्जी रिपोर्ट में निज्जर हत्याकांड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर के नाम को घसीटा गया था। इस मामले में अब ट्रूडो ने गलती मानते हुए कहा है, ह्यदुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को टॉप-सीक्रेट जानकारी लीक करने वाले अपराधी लगातार गलत खबरें फैलाते रहे हैं। यही वजह है कि हमने विदेशी दखल पर एक राष्ट्रीय जांच की थी। इस जांच में यह बात सामने आई थी कि मीडिया संस्थानों को जानकारी लीक करने वाले अपराधी न केवल अपराधी होते हैं बल्कि वे अविश्वसनीय भी होते हैं। इसके साथ ही ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों को 'अपराधी' भी बताया। साथ ही कहा कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा पहला काम कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है। हमारा जोर इस बात पर रहा है कि कनाडा के लोग यहां और पूरे देश में सुरक्षित रहें और हम कानून का पालन सुनिश्चित करें।

ट्रूडो सरकार ने पीएम मोदी पर अटकलों वाली रिपोर्ट को खारिज किया और सफाई दी कि नरेंद्र मोदी, एस जयशंकर और अजीत डोभाल का निज्जर हत्याकांड से न तो कोई कनेक्शन है और न कोई सबूत है। साथ ही यह रिपोर्ट अटकलों पर आधारित और गलत है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने कहा, ह्यकनाडा सरकार ने यह नहीं कहा है और न ही उसे इस बात के सबूतों की जानकारी है कि प्रधानमंत्री मोदी, मंत्री जयशंकर या एनएसए डोभाल का कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध है। इसके विपरीत कोई भी सुझाव अटकलों पर आधारित और गलत है। कनाडा के अखबार द ग्लोब एंड मेल ने अपनी एक रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर को आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद से जोड़ा था। यही मामला भारत और कनाडा के बीच एक बड़े कूटनीतिक विवाद का केंद्र बना और दोनों देशों के रिश?ते बिगड़े। इस रिपोर्ट में एक अज्ञात सुरक्षा अधिकारी के हवाले से दावा किया गया था कि कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पीएम मोदी निज्जर की हत्या के बारे में जानते थे। यह पहली बार है जब कनाडा के मीडिया ने पीएम मोदी को इस मामले में घसीटा है, जो पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है।

रिपोर्ट में इस सूत्र ने स्वीकार किया कि कनाडा के पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि नरेंद्र मोदी जानते थे। वहीं भारत पहले ही इस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर चुका था। कनाडा की सरकार ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर या एनएसए अजित डोवाल को कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाले कोई भी सबूत नहीं मिले हैं। ट्रूडो सरकार का ये स्पष्टीकरण कनाडा के एक अखबार में छपी रिपोर्ट के उस दावे के बाद आया है जिसमें आरोप लगाया गया था कि निज्जर की हत्या की कथित साजिश भारत के शीर्ष नेताओं ने रची थी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि आरोप लगाने के बाद अपनी गलती मानी है।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कनाडा की कई बार किरकिरी हुई जिसके बाद कनाडा को बैकफुट पर आना पड़ा। एक बार तो खुद पीएम ट्रूडो को सबूत के सवाल पर जवाब देना भारी पड़ गया था। यह अलग बात है कि कनाडा में खालिस्तानी नेता और एनडीपी सांसद जगमीत सिंह के समर्थन से चल रही सरकार पर पहले काफी दबाव था। लेकिन अब सरकार अल्पमत की है। जगमीत सिंह ने समर्थन वापस ले लिया है।

कनाडा ने पिछले महीने उस समय तो हद ही कर दी थी जब यह आरोप लगाया था कि भारत के गृहमंत्री अमित शाह कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ हिंसा के मामले में शामिल हैं। कनाडा का आरोप था कि शाह ने कनाडा में सिख अलगाववादियों के खिलाफ हिंसा, डराने धमकाने और इंटेलिजेंस हासिल करने के काम को लेकर निर्देश दिए थे। तब भारत ने कनाडा के उपविदेश मंत्री डेविड मॉरिसन की ओर से की गई टिप्पणियों को बेतुका और निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को लेकर कनाडा सरकार के सामने आधिकारिक तौर पर विरोध दर्ज करवाया था।

भारत ने जवाब में कहा था कि कनाडाई अधिकारी गैर प्रामाणिक दावे इंटरनेशनल मीडिया को देकर ग्लोबल मंच पर भारत की साख को कम करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही भारत ने कहा कि कनाडा सरकार वहां तैनात भारतीय काउंसलर अधिकारियों का सर्विलांस करवा रही है। इसके अलावा कनाडा की जासूसी एजेंसी कम्युनिकेशन सिक्योरिटी एस्टैब्लिशमेंट (उरए) ने खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची में भारत को शामिल कर दिया था। यह पहली बार था जब कनाडा की सरकार की इस लिस्ट में भारत का नाम आया। बता दें कि इस लिस्ट में 2025-26 में खतरा पैदा करने वाले देशों के नाम हैं। इसमें भारत को चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया के बाद पांचवें नंबर पर रखा गया। इसमें कहा गया कि भारत सरकार आधुनिक साइबर प्रोग्राम तैयार कर रही है, जो कनाडा के लिए कई स्तरों पर खतरा पैदा करते हैं। भारत ने कनाडा हर मंच और हर मौके पर कड़ा जवाब दिया जिसकी तो कनाडा ने कल्पना तक नहीं की होगी। दीवाली के मौके पर कनाडा में कई जगह हिंदुओं के कार्यक्रम रद्द होने पर भी भारत सरकार ने कनाडा की सरकार को घेरा। साथ ही कनाडा में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों, हिंदु धर्मस्थलों पर हुए हमलों को लेकर पर भी कनाडा की सरकार के सामने आपत्ति जताई।कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के बाद तो पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद निंदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर पोस्ट कर लिखा कि मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले हमले की कड़ी निंदा करता हूं, हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।कनाडा को कई बार भारत की ओर किए गए हमलों और जवाब तलब करने की वजह से शर्मिंदा होना पड़ा जिससे ट्रूडो सरकार की खूब किरकिरी हुई। हाल ही में दीवाली के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने माना था कि कनाडा में काफी लोग खालिस्तानी समर्थक हैं लेकिन सारे नहीं। गौरतलब है कि भारत लगातार सालों से कनाडा से इस बात का आग्रह करता रहा है कि वह अपनी धरती पर मौजूद खालिस्थानी समर्थक और उग्रवादियों पर कार्रवाई करे, लेकिन कनाडा ने इससे साफ इनकार कर दिया था। कनाडा ने हमेशा यह कहा है कि खालिस्तान का समर्थन करना लोगों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में आता है और उनकी सरकार इस पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। याद दिला दें कि कनाडा की धरती पर भारत विरोधी कार्यक्रम होते रहे हैं। हद तो तब देखने को मिलती जब कनाडा में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर झांकी बनाई जाती है और भारत के विरोध के बाद भी कनाडा कोई कार्रवाई नहीं करता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ में फिर पाकिस्तान का भारत विरोधी राग

संजीव ठाकुर

विनाश काले विपरीत बुद्धि₹ कहावत पाकिस्तान के लिए एकदम सटीक बैठती है। पाकिस्तान दाने दाने के लिए मोहताज हो गया है और बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी लगातार दंगों में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की भूमिका सक्रिय बताई जाती हैं। एक कहावत है भूखे ने भूखे से कुश्ती लड़ी दोनों बेहोश हो गए। यही हाल पाकिस्तान और बांग्लादेश का हो रहा है बांग्लादेश पाकिस्तान से स्वतंत्रता के बाद बा मुश्किल भारत की सहायता से अपनी अर्थव्यवस्था पटरी पर ला पाया था पर वहां शेख हसीना का तख्ता पलट कर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियो की सलाह पर हिंदुओं के विरोध में दंगे भड़का कर अपना सत्यानाश करने पर अमादा है। उधर दूसरी तरफ कंगाली के इस भयानक दौर से गुजर रहे पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का और जम्मू कश्मीर में 370 धारा लागू करने की विरोध में अपना फिर नया बयान जारी किया है उसने कहा है कि भारत के मंसूबे पाकिस्तान तथा पीओके के प्रति ठीक नहीं है और सीमा पर जंग की तैयारी कर रहा है और जम्मू कश्मीर में 370 धारा लागू करने को असवैधानिक करार किया जिसका भारत में मुंह तोड़ जवाब दे दिया है। कंगाल पाकिस्तान अब चीन के साथ भारत की सीमा पर लगे मियांवाले जिले में चश्मा परमाणु का पांचवा प्लांट स्थापित करना चाहता है और इसके लिए बाकायदा चीन ने उसे आश्वासन भी दिया है' ये सब तैयारी ईरान को अपने परमाणु बम बेचनें की तैयारी का ही उपक्रम है इसके बदले ईरान से बड़ी धनराशी वसूलने की पाक की नापाक योजना ही है।पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ ने चीन के इस प्रस्ताव के लिए के लिए एहसान माना है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा पाकिस्तान को कर्ज देने में देरी से पाकिस्तान को चीन द्वारा कुछ वित्तीय मदद की जाने का आश्वासन दिया है और इसी तारतम्य में नया रिएक्टर परमाणु प्लांट लगाने का समझौता किया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री शरीफ भी मौजूद थे उन्होंने चीन के साथ अपनी दोस्ती को हिमालय से भी ऊंची करार दिया है। दूसरी तरफ पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचाने के लिए पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने कराची बंदरगाह का सौदा संयुक्त अरब अमीरात से किया है । पाकिस्तान ने एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर कराची बंदरगाह के टर्मिनल को संयुक्त अरब अमीरात को बेचने का वाणिज्यिक समझौता भी कर लिया है। पाकिस्तान में जब खाने के नहीं है दाने ऐसे में भारत की सीमा से लगे चश्मा नामक स्थान पर 480 अरब डॉलर का चीन के साथ पांचवा परमाणु प्लांट डालने की क्या सूझी है यह समझ से परे है। पाकिस्तान अब ऐतिहासिक, अभूतपूर्व वित्तीय कंगाली के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हर तरफ से सत्ता में आने के बाद निराशा के गर्त में डूब चुके हैं' पूरी दुनिया के देशों से घूम घूम कर कर्ज मांगने के बाद भी उन्हें फूटी कौड़ी नहीं मिल पाई है पाकिस्तानी जनता रोजी रोटी बिजली पानी के संकट से गुजर रही है और देश में हाहाकार मचा हुआ है। आम जनता विद्रोह पर उतर आई है। पाकिस्तान अपनी गलत नीतियों के कारण दुनिया में अकेला पड़ गया है। आवाम के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, सऊदी अरेबिया, तुर्की, ईरान, इराक तथा उसके सबसे बड़ा हिमायती देश चीन ने भी पाकिस्तान को किसी भी तरह के कर्ज देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बड़े विचित्र किंतु सत्य की स्थिति में आ चुके हैं वहां स्थिति अराजक हो गई है। पाकिस्तान के अंदरूनी हालात प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नियंत्रण से बाहर होकर अब सेना के जनरल असीम मुनीर के हाथों में आ गई है। सेना पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राष्ट्रद्रोह और मानव हत्या के जुर्म कभी भी गिरफ्तार कर फांसी दे सकती है। पाकिस्तानी इतिहास में भी जनरल जिया उल हक ने 1974 तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो इसी आरोप में 1979 मैं फांसी पर लटका दिया था वही इतिहास जनरल असीम मुनीर भी दोहराने पर आमादा है। क्योंकि यह तो तय है कि यदि पाकिस्तान में आम चुनाव कराए जाएं तो इमरान की लोकप्रियता के मद्देनजर उनका सत्ता में आना लगभग तय है। इन परिस्थितियों में वर्तमान सरकार और सेना दोनों इमरान और इमरान की पार्टी को समूल नष्ट करना चाहते हैं। पाकिस्तान की कंगाली दूर करने के लिए आई एस आई के करीबी और राजनीतिक विश्लेषक जैद हामिद ने एक फामूर्ले का सुझाव दिया है उन्होंने कहा है कि तुर्की और सऊदी अरेबिया को पाकिस्तान सरकार को एटमी हथियार यानी परमाणु बम बेच देना चाहिए उन्होंने कहा परमाणु हथियार तुर्की और सऊदी अरेबिया तथा अन्य अरब देश बम खरीदने को तैयार हो जाएंगे और प्रति परमाणु बम 20 अरब डालर की कमाई हो सकती है 5 परमाणु बम पाकिस्तान किन देशों को बेच देता है तो उसे 100 अरब डालर की कमाई हो जाएगी और उसे कर्ज लेने के लिए दर-दर की खाक नहीं छाननी पड़ेगी। पाकिस्तान का वित्तीय संकट इसे आसानी से दूर किया जा सकता है गजवा के हिन्द के नाम से धमकी देने वाले जैद हामिद पाकिस्तान को यहां तक सलाह दे दी है कि परमाणु बमों के साथ अपने परमाणु मिसाइल भी बेच देने चाहिए जिससे पाकिस्तानी जनता को रोटी नमक तो मिल ही सकता है। पत्रिका बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट के हवाले से बताया गया की पाकिस्तान के पास वर्तमान में 165 वारहेड का जखीरा उपलब्ध है और 5 वारहेड की कीमत 25 अरब डॉलर की गई है इस तरह 20 वारहेड बेचने से पाकिस्तान को $100 की आसानी से कमाई हो सकती है उसे दर-दर दरवाजे दरवाजे कर्ज मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जैद हमिद ने यहां तक कहा कि पाकिस्तान को एटॉमिक मिसाइल गौरी और गजनवी को भी बेच देना चाहिए इससे पाकिस्तान के पास बड़ा फंड इकट्ठा हो जाएगा और जनता को आटा रोटी और नमक की पूर्ति आसानी से हो सकेगी। अब धीरे-धीरे पाकिस्तान का प्रशासनिक नियंत्रण पाकिस्तान की आर्मी और जनरल मूनीर के हाथों में जाता दिखाई दे रहा है यदि पाकिस्तान में मार्शल ला लग जाता है उन परिस्थितियों में भी पाकिस्तान अगले 10 साल तक अपनी आर्थिक स्थिति से उबर नहीं पाएगा। और यदि पाकिस्तान में आम चुनाव की घोषणा होती है तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनसे जुड़ी नौ अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों का चुनाव में हार ना लगभग निश्चित है क्योंकि जिस तरह इमरान खान और उसके समर्थकों को जेल में डाला जा रहा है एवं महिला समर्थकों पर अमानवीय अत्याचार किए जा रहे हैं उसके फल स्वरुप इमरान और उसकी पार्टी लोकप्रियता के चरम पर है और चुनाव में उनके जीतने की संभावना प्रबल हो जाती है। ऐसे में पाकिस्तान अपने आर्थिक संकट को दूर करने के लिए अरब देशों को अपने एटॉमिक हथियार बेचने पर मजबूर भी हो सकता है।

डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है

-डॉ. सत्यवान सौरभ

डायबिटीज वैश्विक स्तर पर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में उभरा है और भारत अब व्यापकता और निदान न किए गए मामलों दोनों में सबसे आगे है, जिसमें 212 मिलियन लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं और 30 वर्ष से अधिक आयु के 133 मिलियन लोग उपचार के बिना रह रहे हैं। जीवनशैली में बदलाव, आहार पैटर्न और तंबाकू के उपयोग से प्रेरित भारत में डायबिटीज के मामलों में वृद्धि, विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2030 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण बाधाएँ खड़ी करती है, यह सुनिश्चित करना कि डायबिटीज से पीड़ित 80% लोगों का निदान हो और उनमें से 80% ग्लाइसेमिक नियंत्रण प्राप्त करें।

डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जो तब होती है जब आपका रक्त शर्करा (ग्लूकोज) बहुत अधिक होता है। यह तब विकसित होता है जब आपका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता है या बिल्कुल भी नहीं बनाता है, या जब आपका शरीर इंसुलिन के प्रभावों पर ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करता है। डायबिटीज सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करता है। डायबिटीज के अधिकांश रूप जीर्ण (जीवन भर चलने वाले) होते हैं और सभी रूपों को दवाओं और / या जीवनशैली में बदलाव के साथ प्रबंधित किया जा सकता है। ग्लूकोज (चीनी) मुख्य रूप से आपके भोजन और पेय पदार्थों में मौजूद काबोर्हाइड्रेट से आता है। यह आपके शरीर की ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। आपका रक्त ऊर्जा के लिए उपयोग किए जाने वाले ग्लूकोज को आपके शरीर की सभी कोशिकाओं तक पहुँचाता है। जब ग्लूकोज आपके रक्तप्रवाह में होता है, तो उसे अपने अंतिम गंतव्य तक पहुँचने के लिए मदद की जरूरत होती है-एक ₹कुंजी₹ -यह कुंजी इंसुलिन (एक हार्मोन) है। यदि आपका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना रहा है या आपका शरीर इसका सही तरीके से उपयोग नहीं कर रहा है, तो आपके रक्तप्रवाह में ग्लूकोज जमा हो जाता है, जिससे उच्च रक्त शर्करा (हाइपरग्लाइसेमिया) होता है। समय के साथ, लगातार उच्च रक्त शर्करा स्तर के कारण स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जैसे हृदय रोग, तंत्रिका क्षति और आंखों की समस्याएँ। डायबिटीज का तकनीकी नाम डायबिटीज मेलिटस है। एक अन्य स्थिति डायबिटीज शब्द साझा करती है-डायबिटीज इन्सिपिडस-लेकिन वे अलग-अलग हैं। वे डायबिटीज नाम साझा करते हैं क्योंकि वे दोनों अधिक प्यास और बार-बार पेशाब का कारण बनते हैं। डायबिटीज इन्सिपिडस डायबिटीज मेलिटस की तुलना में बहुत दुर्लभ है।

हाल ही में किए गए अध्ययनों में उपवास प्लाज्मा ग्लूकोज के स्तर को शामिल करते हुए डायबिटीज के प्रसार का अधिक व्यापक मूल्यांकन प्रदान किया गया है। यह विशेष रूप से दक्षिण एशिया जैसे उच्च बोझ वाले क्षेत्रों में निदान न किए गए मामलों की पहचान करने में मदद करता है। कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत पहल का उद्देश्य निःशुल्क जांच और प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करना है। निदान तक पहुँच का विस्तार करने के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का उपयोग किया जा रहा है। टेलीमेडिसिन सेवाएँ और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ कम सेवा वाले क्षेत्रों तक पहुँचने के लिए तेजी से तैनात की जा रही हैं। डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म का एकीकरण रोगी ट्रैकिंग और फॉलो-अप का समर्थन करता है। राष्ट्रीय अभियान डायबिटीज के जोखिम कारकों को कम करने के लिए स्वस्थ आहार और शारीरिक गतिविधि जैसे जीवनशैली में बदलावों को उजागर करते हैं। 30 वर्ष से अधिक आयु के 133 मिलियन लोगों में निदान नहीं होने के कारण, प्रारंभिक पहचान में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है।

कई व्यक्ति अपनी स्थिति के बारे में लक्षणहीन या अनजान रहते हैं, विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में। काबोर्हाइड्रेट और संतृप्त वसा से भरपूर अस्वास्थ्यकर आहार, गतिहीन जीवन शैली और डायबिटीज के जोखिम कारक के रूप में तम्बाकू के उपयोग पर अपर्याप्त सार्वजनिक ध्यान समस्या को बढ़ाता है। तम्बाकू के उपयोग से डायबिटीज का खतरा 30-40% बढ़ जाता है, फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में डायबिटीज से इसके सम्बंध को कम महत्त्व दिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नैदानिकसुविधाओं और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की महत्त्वपूर्ण कमी है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में गर्भावधि डायबिटीज प्रबंधन का खराब एकीकरण माताओं और बच्चों के लिए दीर्घकालिक जोखिम को बढ़ाता है। डायबिटीज देखभाल के लिए उच्च आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च कई व्यक्तियों को समय पर निदान और उपचार लेने से रोकता है। समन्वित कार्यवाही का अभावः निदान सेवाओं, उपचार सुविधाओं और समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों के बीच कमजोर सम्बंध व्यापक डायबिटीज प्रबंधन में बाधा डालते हैं।

डायबिटीज का निदान होना जीवन बदलने वाली घटना है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन नहीं जी सकते। डायबिटीज का प्रबंधन करने के लिए निरंतर देखभाल और परिश्रम की आवश्यकता होती है। हालाँकि यह शुरू में बहुत भारी लग सकता है, लेकिन समय के साथ आप इस स्थिति का प्रबंधन करने और अपने शरीर के साथ तालमेल बिठाने में बेहतर समझ हासिल कर लेंगे। अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता (ओं) से नियमित रूप से मिलते रहें। डायबिटीज के प्रबंधन में टीम के प्रयास की आवश्यकता होती है-आप चाहेंगे कि चिकित्सा पेशेवर, मित्र और परिवार आपके साथ हों। यदि आपको मदद की आवश्यकता हो तो उनसे संपर्क करने में संकोच न करें। जबकि भारत ने डायबिटीज को सम्बोधित करने के लिए कदम उठाए हैं, चुनौती की गंभीरता को देखते हुए गहन और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। निदान को बढ़ाना, प्राथमिक स्तर पर व्यापक देखभाल को एकीकृत करना और जीवनशैली और व्यवहार सम्बंधी कारकों, विशेष रूप से तंबाकू के उपयोग को सम्बोधित करना, 2030 के डब्ल्यूएचओ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

डायबिटीज से पीड़ित कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है। इससे भी आपके गुर्दे को नुकसान हो सकता है। तंत्रिका सम्बंधी समस्याएँ (डायबिटीज न्यूरोपैथी), जो तंत्रिकाओं और छोटी रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुँचने के कारण होती हैं, जो आपकी तंत्रिकाओं को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करती हैं। डायबिटीज एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है। टाइप 2 डायबिटीज, सबसे आम प्रकार है, जिसे काफी हद तक रोका जा सकता है। वर्तमान साक्ष्य संकेत देते हैं कि दुनिया भर में डायबिटीज का प्रचलन बढ़ रहा है, मुख्य रूप से कई कारकों के कारण मोटापे में वृद्धि के कारण। टाइप 2 डायबिटीज को रोकना और नियंत्रित करना एक सतत चुनौती बनी हुई है।

ठाणे में दवा निर्माण इकाई में आग लगने से श्रमिक घायल

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक दवा निर्माण इकाई में आग लगने से 38 वर्षीय श्रमिक घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि अंबरनाथ क्षेत्र में आनंद नगर एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) स्थित फैक्टरी में रविवार रात करीब 10 बजे आग लग गई। ठाणे पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण अनिल यादव नामक एक कर्मचारी झुलस गया है और उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तड़वी ने बताया कि आग में फैक्टरी जलकर खाक हो गई। उन्होंने बताया कि अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और कल्याण से आए दमकल कर्मियों के चार दलों ने देर रात पौने तीन बजे आग को नियंत्रित कर लिया। तड़वी ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

सक्षम पहल के साथ जुडी 'फेडएक्स'

मुंबई। दुनिया की प्रमुख एक्सप्रेस परिवहन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉरपोरेशन (फेडएक्स) ने यूनाइटेड वे मुंबई की ₹सक्षम₹ पहल के साथ जुड़कर एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत किया है। कंपनी छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने में हर वर्ग के लोगों को समान अवसर देने के लिए सहयोग कर रही है। स्थानीय मानवीय साझेदार के सहयोग से, फेडएक्स भारत की विविध और गतिशील अर्थव्यवस्था में आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यक उद्यमियों को संसाधन, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। इस पहल के तहत फेडएक्स ने भारत में लघु व्यवसाय चलाने वाली महिलाओं और LGBTQIA+ उद्यमियों को समान अवसर और सशक्तिकरण में सहयोग प्रदान किया है। फेडएक्स के भारतीय परिचालन के वाइस प्रेसिडेंट सुवेन्दु चौधरी ने कहा, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) आर्थिक विकास को गति देने वाली शक्ति हैं, लेकिन इसके बावजूद कई उद्यमियों के पास सफल होने के लिए संसाधनों की कमी है। सक्षम पहल महिलाओं और LGBTQIA+ समुदाय के लोगों के लिए खासतौर पर बनाई गई है। इस योजना का मकसद इन लोगों को वह सब कुछ देना है जिसकी उन्हें जरूरत है ताकि वे अपना व्यापार बढ़ा सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। इस योजना के पीछे जो लोग हैं, वे चाहते हैं कि ये लोग भारत के छोटे-मोटे व्यापारों के क्षेत्र में आगे बढ़ें और देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने में मदद करें। वे चाहते हैं कि सभी लोगों को बराबर के मौके मिलें और देश का विकास सभी के लिए हो। वर्ष 2021 में अपनी शुरूआत के बाद से, सक्षम पहल भारत में फेडएक्स ग्लोबल आंत्रप्रेन्योरशिप सीएसआर स्तंभ की आधारशिला रही है, जो वंचित समूहों को स्थायी आजीविका बनाने के लिए टूल्स के साथ सशक्त बनाती है। सक्षम के माध्यम से, फेडएक्स छोटे व्यवसायों को समर्थन देने के सरकार के प्रयासों के साथ जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ओमेगा ट्रॉफी गोल्फ टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण संपन्न

मुंबई। स्विस घड़ी निमार्ता ओमेगा ने गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में ओमेगा ट्रॉफी गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण की मेजबानी कर खेलों में उत्कृष्टता का जश्न मनाया। अनुभवी गोल्फरों और उत्साही लोगों को एक साथ लाने वाला यह अवसर गोल्फ कोर्स पर कुछ गुणवत्तापूर्ण समय का आनंद लेने के साथ-साथ सटीकता और प्रदर्शन में ओमेगा की ताकत का प्रदर्शन करने का एक सही अवसर था। इस आयोजन में शामिल होने और वैश्विक खेल मंच पर भारत की प्रेरक उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व करने वाली अवनि लेखरा थीं, जिन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में 10 मीटर राइफल स्पर्धा में दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की थी और महिलाओं की पैरालंपिक 200 मीटर टी12 स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता सिमरन शर्मा रहीं। करिश्माई मंदिरा बेदी ने दिन के उत्सव की अगुआई की। कार्यक्रम से पहले की गतिविधियों में हिस्सा लेकर लोगों ने एक क्यूरेटेड गोल्फ क्लिनिक का आनंद लिया, जिसे शौकिया और विशेषज्ञ दोनों तरह के गोल्फ के अनुभव में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया था। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, शाम एक शानदार उत्सव में तब्दील हो गई। मेहमानों ने खूबसूरत क्लब में एक सॉफिस्टिकेटेड नेटवर्किंग डिनर का आनंद लिया। पूर्व क्रिकेटर मुरली कार्तिक और निखिल चोपड़ा सहित प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने इस समारोह में शिरकत की, जिससे इस अवसर की भव्यता और बढ़ गई। यह तीसरी बार है जब ओमेगा ने प्रतिष्ठित ओमेगा ट्रॉफी की मेजबानी की है जो भारत में किसी भी हॉरोलॉजी ब्रांड की ओर से एक अनूठी प्रतिबद्धता है। ओमेगा ट्रॉफी विभिन्न राज्यों के टॉप गोल्फरों को एक साथ लाती है, जो न केवल उनके कौशल का जश्न मनाती है बल्कि खेलों के निष्पक्षता और सौहार्द के मूल्यों का भी जश्न मनाती है।

दिलों को खुश करने के लिए सालगिरह की चमक

मुंबई/पटना। इस सालगिरह पर अपने साथी को चौंकाना चाहते हैं? सिर्फ.फूलों और चॉकलेट्स से ही नहीं कहें-अब समय है एक ऐसा तोहफा देने का जो कभी न खत्म होने वाला तोहफा हो। ऐसा तोहफा जो आपके खास रिश्ते की सबसे बड़ी खासियत है, उस अटूट बंधन को एक बेहतरीन श्रद्धांजलि हो।

फॉरएवरमार्क के सिग्नेचर कलेक्शन को 'आई डू' कहें और इस साल के जश्न में रोमांस को और बढ़ाएँ। टूगेदर कलेक्शन साथ रहने की भावना को दर्शाता है और कपल होने का जश्न मनाने के लिए एकदम सही है। इस शानदार कलेक्शन के हर पीस को दो हीरों से डिजाइन किया गया है, जो दो दिलों के एक होने और दो आत्माओं के एक-दूसरे में खुशी पाने की भावना को दर्शाता है। इस कलेक्शन से क्लासिक और अलंकृत डिजाइन में चमकदार पेंडेंट, इयररिंग्स और अंगूठियाँ चुनें। सर्किल ऑफ ट्रस्ट कलेक्शनः फॉरएवरमार्क चूड़ियों के चयन के साथ चंचलता के दिनों की यादों को ताजा करें। इस शानदार संग्रह में पहनने योग्य डिजाइन हैं, जिनमें से प्रत्येक टुकड़ा भागीदारों के बीच विश्वास के निरंतर और बढ़ते चाप का प्रतिनिधित्व करता है। इस संग्रह के कलात्मक टुकड़े आपको साल दर साल अपने मजबूत रिश्ते को मजबूत करने की याद दिलाते हैं।

उत्तर भारतीय स्नेहा दुबे पंडित ने ध्वस्त कर दिया अप्पा का साम्राज्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा से लेकर वसई विरार तक जिसकी तूती बोलती थी, जिसके इशारे के बिना पत्ता नहीं हिलता था। जो यहां का बेताज बादशाह रहा। पिछले 35 वर्षों तक अखंड राजनीतिक दबदबा कायम करने वाले हितेंद्र ठाकुर अप्पा को आखिरकार महाराष्ट्र में चली हिंदुत्व की प्रचंड लहर ने न सिर्फ पराजित कर दिया अपितु बहुजन विकास आघाड़ी का ही सफाया हो गया। पार्टी के तीनों विधायक जिस तरह से पराजित हुई, उससे साफ हो गया कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता के हाथ में निहित है। उत्तर भारतीय समाज की बहू स्नेहा दुबे पंडित ने जिस तरह से 35 वर्षों सेअधिक समय से लगातार राज कर रहे हितेंद्र ठाकुर ऊर्फ अप्पा को पराजित किया, उसे देखकर महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे देश के लोग आश्चर्य चकित हैं। स्नेहा दुबे पंडित की जीत सिर्फ भाजपा की जीत नहीं है अपितु उस नारी शक्ति की जीत है, जिसने समय समय पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। अब तो लोग दबी जुबान से स्नेहा को उत्तर भारतीय शेरनी कहने लगे हैं। जिन परिस्थितियों में स्नेहा ने अप्पा का मुकाबला किया और शानदार विजय हासिल की, उससे साफ है कि यह कोई सामान्य विजय नहीं है। भाजपा के साथ-साथ आज संपूर्ण उत्तर भारतीय समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। तीनों सीटें जीतने के बाद महायुति सरकार की जिम्मेदारी बढ़नी तय है। यहां की शांति और सुरक्षा को लेकर नई सरकार को जमीनी स्तर पर काम करना होगा। सरकार की जरा सी ढिलाई यहां के जनादेश की ताकत को कमजोर कर सकती है। सरकार को नई चुनौतियों के बीच जनादेश पर खरा उतरने का प्रयास करना होगा। यहां के प्रभारी पूर्व मंत्री रविंद्र चव्हाण तथा सह प्रभारी दीपक नंदलाल सिंह की माने तो लड़ाई बहुत कठिन थी परंतु जनता का आशीर्वाद और लोगों का प्यार हमें जीत के मुकाम पर ले आया।

मनपा आयुक्त को मिले स्नेहा दुबे और राजन नायक

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विरार मनपा आयुक्त अनिल पवार ने वसई की नवनिर्वाचित विधायक स्नेहा दुबे पंडित और नालासोपारा नवनिर्वाचित विधायक राजन नाईक से मुलाकात की और आने वाले समय में वसई विरार के सर्वांगीण विकास के लिए रुकी हुई परियोजनाओं को गति देने के प्रयास शुरू करने के लिए आयुक्त से चर्चा की। वसई विरार के लोगों को उचित सुविधाएं कैसे मिलेंगी इसकी रूपरेखा आज तय की गई। इस समय शिवसेना तालुका प्रमुख सुदेश चौधरी। विरार ईस्ट बोर्ड के अध्यक्ष नारायण मांजरेकर, पश्चिम मंडल अध्यक्ष रवि पुरोहित, नालासोपारा पश्चिम मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश वाजे एवं अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अनिरुद्धाचार्य महाराज ने दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को मिली अभूतपूर्व सफलता के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बधाई दी है। वीडियो के माध्यम से उन्होंने मुख्यमंत्री को सनातन प्रेमी और धर्म रक्षक बताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही वे प्रदेश के विकास के साथ-साथ सनातन धर्म की रक्षा की दिशा में लगातार प्रयत्नशील रहे। गौ माता को राज्य माता का दर्जा देकर उन्होंने महाराष्ट्र की धर्मशील जनता का दिल जीत लिया। शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनके माध्यम से मुझे लगातार चार बार लोकप्रिय विधायक बनने वाले प्रताप सरनाईक द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कथा में प्रमुख कथावाचक के रूप में उपस्थित रहने का सौभाग्य मिला। यह कथा इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि इसी कार्यक्रम में दो पूज्य शंकराचार्य की उपस्थिति में मुख्यमंत्री जी ने गौ माता को राज्यमाता का दर्जा देने की ऐतिहासिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मुख्यमंत्री पर देश की सनातन प्रेमी जनता को गर्व है।

भांडुप में भव्य पुस्तक प्रदर्शनी, मार्गदर्शन कार्यक्रमों और पुस्तकों के आदान-प्रदान का प्रावधान

मुंबई(उत्तरशक्ति)। स्वर्गीय दीना बामा पाटिल की 90वीं जयंती के अवसर पर 24 नवंबर को दीना बामा पाटिल पुस्तकालय, अध्ययन केंद्र और साहित्ययात्रा द्वारा एक भव्य पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व विधायक रमेश कोरगांवकर के सौजन्य से संपन्न हुआ।इस दौरान संस्था के मुख्य ट्रस्टी श्रीमती पल्लवी ताई संजय पाटिल उपस्थित थी । बता दें कि 2015 से दीना बामा पाटिल लाइब्रेरी की ओर से हर साल ऐसी प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। यह प्रदर्शनी पढ़ने की संस्कृति को बढ़ाने, विकसित करने और पोषित करने के लिए आयोजित की गई है। प्रदर्शनी 24 नवंबर से 8 दिसंबर तक सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेगी। नागरिकों को प्रदर्शनी का अवलोकन करना चाहिए। यह अपील आयोजकों की ओर से किया गया है. प्रदर्शनी के पहले दिन हजारों पुस्तक प्रेमियों ने भाग लिया और किताबें खरीदीं। इस स्थान पर कई किताबें रखी हुई हैं जो स्कूली छात्रों की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस स्थान पर देश-विदेश के लेखकों की अनेक पुस्तकें हैं और कुछ गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें सौ रुपये में भी खरीदी जा सकती हैं।

इस प्रदर्शनी में छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित कई किताबें रखी गई हैं। मुंबई में मजदूरों की आवाज, मजदूर नेता, पूर्व विधायक। दीना बामा पाटिल की जयंती के अवसर पर भांडुप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। उनकी जयंती के अवसर पर 24 नवंबर से 8 दिसंबर तक पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है. इसलिए 6 से 8 दिसंबर के बीच किताबों का आदान प्रदान किया जायेगा। श्रमिक समाज को बेहतर बनाने के लिए उन तक शिक्षा पहुंचनी चाहिए। इसलिए, दीना बामा पाटिल ने भांडुप, मुलुंड और कोंकण सहित मुंबई विभाग में कई शैक्षणिक संस्थानों की मदद की। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पल्लवी संजय पाटिल ने सांसद संजय दीना पाटिल के मार्गदर्शन में दीना बामा पाटिल लाइब्रेरी एंड स्टडी सेंटर की शुरूआत की।

बीजेपी प्रवक्ता तथा कामगार नेता शैलेश पांडे ने कामगारों को बांटे लड्डू

भायंदर(उत्तरशक्ति)। 145 मीराभाईदर विधानसभा से नरेंद्र मेहता के चुनाव जीतने की खुशी में तथा महाराष्ट्र में भाजपा महायुति की प्रचंड जीत की खुशी में भाजपा प्रवक्ता, कामगार नेता ,संकल्प रिक्शा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष शैलेश पांडे ने भाईदर पूर्व रेलवे स्टेशन के रिक्शा स्टैंड में रिक्शावालो एवं नागरिकों को लड्डू वितरण कर अपने खुशी को दशार्या।

शैलेश पांडे ने कहा नरेंद्र मेहता के जीत तथा महायुति के जीत में रिक्शावाले मालक एवं चालक ,कामगार भाइयों का महत्वपूर्ण भूमिका है।हम महाराष्ट्र के सभी कामगारों एवं नागरिकों को दिल से धन्यवाद व्यक्त करते है।वहां उपस्थित , संकल्प रिक्शा संगठन के अध्यक्ष संजय मिश्रा,कल्लू तिवारी प्रेम कुमार, प्रवीण दुबे,रिंकू दुबे,रामाश्रय पांडे,गुलाब पाल,पिंटू दुबे, जयंत पाल, जयनाथ पाल, उपाध्याय ,दिनेश मिश्रा,आदि पदाधिकारी उपस्थित थे.

चेंबूर के भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड में भव्य मैराथन का आयोजन

एसोसिएशन के मैराथन दौड़ में शामिल हुए हर उम्र के नागरिक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के एससी -एसटी इम्पलाई एसोसिएशन द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ का नाम संविधान के सम्मान में दौड़ेगा भारत को मिली आपर सफलता।

करीब 5 किलोमीटर के मैराथन दौड़ में लगभग 175 धावकों ने हिस्सा लिया। इनमें हर उम्र के पुरुष महिला और बच्चे शामिल हुए। बीपीसीएल के आई आर निधि से हुए मैराथन प्रतियोगिता में 65 वर्षीय छाया जाधव के आलावा 70 और इससे भी अधिक उम्र के बुजुर्गों सहित 13 साल की निवेदिता भोसले भी शामिल थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एससी -एसटी इम्पलाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित संविधान के सम्मान में दौड़ेगा भारत मैराथन दौड़ का शुभारंभ बीपीसीएल रिफाइनरी स्पोर्ट्स क्लब से किया गया। जोकि दुलीप सिंह मार्ग होते हुए आर सी मार्ग पर स्थित इंडियन आयल के पेट्रोल पंप तक पहुंचा। इसके बाद आरसीएफ गेट नंबर दो की तरफ से होता हुआ कमबैक किया। इस दौड़ में मोहन राम (महाव्यवस्थापक, एच आर विभाग)और रमेश ठक्कर (उपमहाव्यवस्थापक), दामोदर कोली आदि शामिल थे। मैराथन प्रतियोगिता के संचालक मंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय बेले , सचिव सुशील भोसले और अनिल कांबले आदि सदस्य शामिल हैं। एसोसिएशन के मैराथन प्रतियोगिता में आरसीएफ पुलिस के वरिष्ट अधिकारी राजेश कुमार गाठे सहित बड़ी संख्या में पुलिस के जवान भी मौजूद थे।

फिल्म अभिनेत्री नायरा बनर्जी, पर्ल ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएमडी रॉनी रॉड्रिग्स प्रिंस युवराज की बर्थडे पार्टी में हुए शामिल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रिंस युवराज के पांचवे जन्मदिन सेलिब्रेशन पर पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी व परोपकारी हस्ती रॉनी रॉड्रिग्स एवं खूबसूरत अभिनेत्री नायरा बनर्जी पहुंचे। मुम्बई के कीनो कॉटेज में हुए भव्य समारोह में शानदार केक काटकर प्रिंस युवराज का बर्थडे मनाया गया। इस अवसर पर युवराज की मां का भी बर्थडे मनाया गया। व्हाइट कलर के कॉस्ट्यूम में टीवी स्टार नायरा बनर्जी बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उनकी और रॉनी रॉड्रिग्स की उपस्थिति में केक कटिंग की गई। नायरा बनर्जी ने प्रिंस युवराज को बर्थडे विश किया। इस जन्मदिन पार्टी में बच्चों के लिए काफी मस्ती भरे गेम्स का इंतेजाम किया गया था। मिक्की माउस के साथ बच्चे खूब एन्जॉय कर रहे थे और नायरा बनर्जी तो मिक्की माउस को देखते ही जैसे बच्चों की तरह खुश हो गईं। उनके साथ फोटो खिंचवाई और कहा कि मुझे बचपन से ही मिक्की माउस बहुत पसन्द है। मिक्की माउस मेरे फेवरेट कार्टून कैरेक्टर हैं। पर्ल ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएमडी रॉनी रॉड्रिग्स खुशियां बांटने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने भी बच्चों के साथ यहां काफी समय बिताया और प्रिंस युवराज को जन्मदिन की बधाई दी। सभी मेहमान प्रिंस युवराज के लिए उपहार लेकर आए, वहीं अतिथियों को रिटर्न गिफ्ट भी दिया गया। सभी मेहमानों ने इस बर्थडे पार्टी को एन्जॉय किया।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख पद से दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रमुख नाना पटोले ने हाल ही में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद सोमवार को इस्तीफा दे दिया। पटोले के इस्तीफे से कांग्रेस पार्टी को करारा झटका लगा है, जिसने 103 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से उसे सिर्फ 16 सीटें ही मिल पाईं - राज्य में उसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन। पटोले खुद भंडारा जिले के सकोली निर्वाचन क्षेत्र में बमुश्किल अपनी सीट बचा पाए, जहां उन्हें सिर्फ 208 वोटों के मामूली अंतर से जीत मिली।महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा रही कांग्रेस पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 232 सीटों पर जीत हासिल की, जो बहुमत के लिए जरूरी 50 सीटों की सीमा से कहीं ज्यादा है। इसके विपरीत, एमवीए, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी शामिल हैं, ने अपनी सामूहिक ताकत को ढहते हुए देखा, जिसमें कांग्रेस की सीटों की हिस्सेदारी पिछले विधानसभा चुनावों में 44 से नाटकीय रूप से गिर गई।2021 में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने वाले पटोले अपने नेतृत्व को लेकर मुखर रहे हैं, खासकर 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के बाद, जिसमें उसने राज्य में 17 में से 13 सीटें हासिल कीं। हालांकि, महा विकास अघाड़ी के भीतर तनाव बढ़ने लगा, खासकर विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों, विशेष रूप से शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी के बीच सीट आवंटन पर असहमति ने रिश्तों को तनावपूर्ण बना दिया है, यहां तक ??कि कुछ गुटों ने पटोले के शामिल होने पर बातचीत करने से भी इनकार कर दिया है।चुनाव परिणाम घोषित होने से दो दिन पहले, पटोले ने यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया था कि कांग्रेस अगली महा विकास अघाड़ी सरकार का नेतृत्व करेगी, एक बयान जिसने कथित तौर पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत को नाराज कर दिया। पटोले के साहसिक नेतृत्व के रुख के बावजूद, परिणामों ने गठबंधन के शासन को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करने का संकेत दिया, जिससे कांग्रेस में अव्यवस्था फैल गई। महाराष्ट्र में भाजपा की शानदार जीत ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव को चिह्नित किया, जिसमें पार्टी ने एक प्रमुख स्थान हासिल किया और हरियाणा में अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक जीत के बाद अपनी गति को जारी रखा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सांप्रदायिक सौहार्द देश की एकता के लिए जरूरी: डॉ.अनुराग मिश्र

राष्ट्रीय एकता एवं सांप्रदायिक सद्भावना पर जागरूकता कार्यक्रम का समापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में आयोजित सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह का विधिवत समापन सोमवार को आई.बी.एम परिसर में हुआ। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना प्रतिष्ठान द्वारा संचालित था। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.अनुराग मिश्र ने अपने उद्बोधन में सांप्रदायिक सद्भावना, सामाजिक सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित किया। उन्होंने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया और छात्रों को भविष्य में इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

डॉ.मिश्र ने कहा कि इस अभियान ने समाज में राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द देश की एकता के लिए जरूरी है। छात्र अधिष्ठाता प्रोफेसर अजय द्विवेदी ने कार्यक्रम के सफल समापन पर डॉ. अनुराग मिश्र की सराहना करते हुए उन्हें आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी। समापन कार्यक्रम में सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. परमेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. उद्देश्य सिंह और डॉ.शहाबुद्दीन ने अपने विचार साझा करते हुए राष्ट्रीय एकता और सामुदायिक सहिष्णुता के महत्व पर जोर दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने छात्रों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस अभियान को विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का औपचारिक समापन विभागाध्यक्ष डॉ. वनिता सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने इस अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए सभी की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. राहुल राय, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. राजन तिवारी, प्रगति सिंह, जीशान अली और सूरज सोनकर सहित संस्थान के सभी शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पत्रकार एकता संघ की मासिक बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाअधयक्ष सतीश चौहान की अध्यक्षता में जिला मीडिया प्रभारी

तबरेज नियाजी के मियापुर आवास पर मासिक बैठक संपन्न हुई बैठक में संगठन के कार्यो को लेकर चर्चा हुई और संगठन में जिले में ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को जोड़ने पर विचार विमर्श किया गया। संगठन के लोगो को आईडी कार्ड और लेटर वितरित किया गया! पत्रकारों की समस्याओं पर बात हुई अगर किसी पत्रकार को कवरेज के दौरान कोई अधिकारी या पुलिस के द्वारा परेशान किया जाता है तो संगठन मजबूती से पत्रकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा पत्रकारों की समस्याओं का प्राथमिकता से निपटारा करना संगठन का दायित्व है। बैठक में जिलाअध्यक्ष सतीश चौहान ने सर्वसहमती से स्वदेश कुमार को पत्रकार एकता संघ का सदस्य नियुक्त किया गया और सभी पदाधिकारियों द्वारा स्वदेश कुमार का स्वागत किया गया स्वदेश कुमार के संगठन में आने पर मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला उपाधयक्ष विनय कुमार, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष चौहान, जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, जिला सचिव साहब लाल चौहान, मोहम्मद् ताज, अंकित ठाकुर आदि संगठन के पदाधिकारि उपस्थिति रहे।

यू.पी. कॉलेज को मिली सौगात, अब बन जायेगा यूनिवर्सिटी

सीएम योगी ने किया ऐलान

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी कॉलेज के स्थापना दिवस पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक संस्थान को यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने में अब ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने शिक्षकों और प्रबंधन से इस दिशा में काम करने का आह्वान किया और सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। योगी ने कहा, यूपी कॉलेज के लिए यह सबसे अच्छा अवसर है। शिक्षक और सरकार मिलकर प्रस्ताव तैयार करें। यूनिवर्सिटी बनने की प्रक्रिया में किसी शिक्षक की सेवाओं पर असर नहीं पड़ेगा। नए पाठ्यक्रम जोड़े जाएंगे और मान्यता के लिए संस्थान को भटकना नहीं पड़ेगा।नई तकनीकों पर दिया जोर मुख्यमंत्री ने तकनीकी शिक्षा की ओर इशारा करते हुए कहा कि यूपी कॉलेज को समय के प्रवाह के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि रोबोटिक्स, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), और चैटजीपीटी जैसे क्षेत्रों में नए कार्यक्रमों की शुरूआत की जा सकती है। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी बहुत आगे बढ़ चुकी है। हमें इसे अपनाकर खुद को तैयार करना होगा। यह ऐलान छात्रों और शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। जिससे न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ेगी बल्कि छात्रों को भविष्य के तकनीकी और व्यावसायिक कौशल सीखने के बेहतर अवसर भी मिलेंगे।

मिशन शक्ति के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार को मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-5) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/बालिकाओं को जौनपुर पुलिस द्वारा किया जा रहा जागरुक, समस्त महिला बीटों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण, महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा सशक्त। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं / बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के तहत पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, वूमेन पॉवर लाइन- 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा- 112, एम्बुलेंस सेवा- 108,चाइल्ड लाइन- 1098, स्वास्थ्य सेवा- 102, महिला हेल्पलाइन- 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन- 1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में, घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन- 1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है।

दो माह से जन्म, मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए भटक रहे दर्जनों ग्रामवासी

निशानाथ

- सोंधी ब्लॉक के 55 गाँव के लोग काट रहे हैं चक्कर
- बीडीओ द्वारा कई बार पत्राचार के बाद भी नहीं हुआ समाधान

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज सोंधी के लगभग 55 गाँव का यूजर आईडी दो महीने से लॉक होने से ऑनलाइन जन्म, मृत्यु प्रमाण-पत्र नही बन पा रहा है। जिससे भारी संख्या में ग्रामीणों को अत्यधिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार पहले यूजर आईडी बनाने के लिए एडीएम राजस्व को नमित किया गया। लेकिन कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी नही बना। ग्रामीणों ने इस सम्बंध में ज्ञापन भी सौंपा था बावजूद इसके दो माह बीत जाने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका। इस समस्या को देखते हुए बीडीओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने कई बार उच्चाधिकारियों को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया गया। इसके बाद भी कोई हल नहीं निकल पाया। विदित हो कि गाँव के पंचायत सचिव के स्थानांतरण के बाद से यूजर आईडी बंद हो गयी। नये पंचायत सचिव के नाम से आईडी जनरेट होनी थी, जिसमें ग्राम सभा पाराकमाल, हाजी रफीपुर, अरंद, खुदौली, महरौडा, अतरौरा, बारा गोधना, शाहापुर, तारगहना, लपरी, झांसेपुर, भूडकुड़हाँ आदि गाँव में यूजर आईडी बंद होने से समस्या बनी हुई है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण आएं दिन ब्लॉक का चक्कर काट रहे है। किसान अपने सारे कामधाम छोड़कर इस समस्या को झेल रहे है कोई सुधि लेने वाला नहीं है।

बिजली विभाग ने अभियान चलाकर 42 लाख से अधिक की किया राजस्व वसूली

विद्युत चोरी पर बड़ी कार्रवाई से चोरी करने वालों में मचा हड़कंम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मण्डल प्रथम के अधीक्षण अभियंता विवेक खन्ना, अधिशासी अभियंता यादवेंद्र सिंह एवं उपखंड अधिकारी सौरभ मिश्रा एवं मो.रौशन जमीर के कुशल नेतृत्व में हुसैनाबाद और नईगंज क्षेत्रों में दो दिवसीय मेगा चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसने विभागीय इतिहास में एक नई मिसाल कायम की। इस व्यापक और प्रभावी अभियान में 312 उपभोक्ताओं का विद्युत विच्छेदन किया गया। साथ ही, 6 उपभोक्ताओं का विधा परिवर्तन और 8 उपभोक्ताओं की भार वृद्धि भी की गई। अभियान के दौरान, 8 लोग विद्युत चोरी करते हुए पकड़े गए। जिन पर बिजली थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। यह कार्रवाई यह सुनिश्चित करती है कि विद्युत चोरी के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

42.55 लाख की राजस्व वसूली: अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। 42,55,790 रुपये की राजस्व वसूली, जो विभागीय प्रयासों की सफलता को दशार्ती है। इसके अतिरिक्त, 1,00,535 रुपये की रीडिंग स्टोर पाई गई।जिससे लाखों रुपये का अतिरिक्त राजस्व निर्धारित किया गया। टीम का बेमिसाल प्रदर्शनः यह ऐतिहासिक सफलता एक सशक्त और संगठित टीम की देन है। अभियान में हुसैनाबाद के जेई मनोज गुप्ता, जेई हरिनंदन राय, जेई अविनाश सिंह, जेई नीरज सोनी, जेई नीरज गुप्ता, और जेई सुरेन्द्र यादव समेत खंड तृतीय के सभी निविदाकर्मियों और टीजी- द्वितीय कर्मचारियों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की। इस अभियान में लगभग 80-90 विभागीय कर्मचारियों ने एकजुट होकर हिस्सा लिया और इसे रिकॉर्ड सफलता दिलाई। प्रमुख टीजी- द्वितीय सदस्यों में अशोक पटेल, ओम प्रकाश मौर्य, रामअचल, संत राम, आयुष गुप्ता, मोनू जायसवाल, अखिलेश यादव, आशीष सिंह, मोहम्मद अकरम और अखिलेश यादव जफर अब्बास, फराज अहमद, संतराम का उल्लेखनीय योगदान रहा।

सख्त संदेश और उज्ज्वल भविष्यः यह अभियान न केवल बिजली चोरी रोकने और राजस्व बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हुआ। बल्कि यह भी साबित किया कि जब टीम एकजुट होकर काम करती है। तो असंभव को भी संभव किया जा सकता है। हमारी प्राथमिकता केवल राजस्व वसूली नहीं, बल्कि ईमानदार उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करना और बिजली चोरी पर सख्ती से रोक लगाना है। सौरभ मिश्रा, उपखंड अधिकारी। बिजली विभाग की यह कार्रवाई दशार्ती है कि पारदर्शिता और कड़ी मेहनत से न केवल विभागीय उद्देश्यों को पूरा किया जा सकता है। बल्कि क्षेत्र की समग्र ऊर्जा व्यवस्था को भी सुधारा जा सकता है।

विद्युत विभाग का संदेशः बिजली बचाएं,चोरी न करें।और उज्जवल भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

गौराबादशाहपुर पुलिस ने एक वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा न्यायालय एसपीजेएम तृतीय जौनपुर द्वारा निर्गत मुकदमा नं0 1324/24

धारा 279/427 भादवि से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त मोतीलाल पुत्र स्व0 झगडू निवासी गौरा थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र 58 वर्ष को मुखविर खास के सूचना पर अभियुक्त मोतीलाल उपरोक्त को उसके घर से दिनांक 25.11.2024 को समय 12.45 बजे हिरासत पुलिस में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

सरायख्वाजा पुलिस ने 1 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।सरायख़्वाजा थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप कुमार सिंह मय हमराह हे0का0 दीपक गुप्ता, हे0का0 अनिल सिंह के द्वारा मु0अ0स0 381/24 धारा 64/87/ 127(4)/ 351(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त विवेक यादव उर्फ विवेक कुमार यादव पुत्र स्व0 विनोद यादव नि0 ग्राम उत्तरपट्टी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को समय करीब 07.30 बजे गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

मारूफपुर गांव पहुंचे एमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कस्टडी में हुई निसार की मौत के मामले में प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली मारूफपुर गाँव पहुँच कर परिजनों

से मुलाकात की, तथा हर तरीके की मदद करने का भरोसा दिलाया। तथा दोषी पुलिस वालो पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की,मालूम हो कि खेतासराय थाना क्षेत्र के अंतर्गत मरूफपुर गाँव निवासी निसार को जुमें को पुलिस ने पकड़ी गाँव से उठाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस के द्वारा पैर में गोली मारी गई।जिसके बाद निसार की मौत रविवार को हो गई। प्रदेश अध्यक्ष निसार की मौत की खबर सुन कर मारूफपुर गांव पहुँचे थे।जहां पुलिस ने उन्हे रोक दिया तथा पुलिस से काफी जद्दोजहद के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने परिजनों से मुलाकात की।

जौनपुर के दिव्यांग बच्चों ने किया मनगढ़ धाम का भ्रमण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र, सर्व शिक्षा अभियान में समेकित शिक्षा के अन्तर्गत दिव्यांग बच्चों के भ्रमण का कार्यक्रम मनगढ़ प्रतापगढ़ के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर

उपाध्याय ने बताया कि जनपद से 150 बच्चे मनगढ़ प्रतापगढ़ भ्रमण पर जा रहें हैं। जिसमें तीन बस की गई है जिसकी निगरानी मै स्वतः कर रहा हूं। सभी बच्चों को रास्ते में लंच पैकेट, भोजन की व्यवस्था की गई है। दिव्यांग बच्चों की देख रेख के लिए विशेष शिक्षको को लगाया है। साथ में विशेष शिक्षक प्रमोद कुमार माली के साथ साथ संजय मिश्रा, अमरबहादुर पटेल, सन्तोष मिश्रा, ज्योति सिंह, अभिलाषा श्रीवास्तव, माधुरी, निधि, मनोरमा, विजय सिंह, विवेक सिंह, रमाशंकर, रमेश मौर्या विशेष शिक्षक उपस्थित रहे।

वाराणसी में अधिवक्ताओं ने निबंधन मित्र की तैनाती को लेकर जताई नाराजगी, एसीपी को सौंपा ज्ञापन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी में निबंध मित्र की तैनातगी को लेकर अधिवक्ताओं ने सोमवार को हो-हल्ला मचाया। स्टांप मंत्री रविंद्र जायसवाल पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। कलेक्ट्रेट परिसर में सैकड़ों वकीलों ने विरोध जताया। सूचना मिलते ही मौके पर एसीपी कैंट विदुष सक्सेना ने पुलिस फोर्स के साथ अधिवक्ताओं को रोक दिया और पत्रक ले लिया था। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पहली बार बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर खोलने के लिए निबंधन मित्र की नियुक्ति होगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। निबंधन मित्र रजिस्ट्री और प्रापर्टी संबंधी दस्तावेज तैयार किए जाएंगे। इससे पहले उन्हें सरकार की तरफ से प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिर यूनीक आईडी नंबर के साथ लाइसेंस दिया जाएगा। एक रजिस्ट्री का पेपर तैयार करने की फीस दो हजार रुपये तय करने का प्रस्ताव है। वहीं, गलत डीड के लिए जवाबदेही भी होगी। इस प्रस्ताव से न्यूनतम 20 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। इनमें महिलाओं की अच्छी संख्या होने की उम्मीद है। देश में अपनी तरह का यह पहला प्रयोग होगा। वर्तमान में रजिस्ट्री की डीड करने के लिए तीन विकल्प हैं। आवेदक स्वयं स्टांप डीड तैयार करे। किसी अधिवक्ता की मदद से डीड बनाए या फिर डीड राइटर से रजिस्ट्री के दस्तावेज तैयार कराए। अब सरकार निबंधन मित्रों के रूप में चौथा विकल्प देगी। सूत्रों के मुताबिक संबंधित प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा।

21वीं पशुगणना अभियान का डीएम व सीडीओ ने हरी झण्डी दिखाकर किया शुभारम्भ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार के द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में 21वीं पशुगणना कार्यक्रम अन्तर्गत अभियान का शुभारम्भ 25 नवम्बर 2024 को जिलाधिकारी डा० दिनेश चन्द्र एवं मुख्य विकास अधिकारी साँई तेजा सीलम के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से यह अपील करते हुए कहा कि पशु हमारे ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा आर्थिक विकास का माध्यम है। ऐसी दशा में पशुओं की देखभाल व प्रबन्धन अच्छे ढंग से किया जाना अति आवश्यक है। 21 वीं पशुगणना के कार्य में जनपद के कुल 3444 राजस्व ग्रामों तथा 200 वार्ड जिसमें कुल 663513 परिवारों के पशुओं की गणना की जानी है। कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु 223 पशुगणना कर्ता तथा प्रत्येक 05 पशुगणनाकर्ता पर 01 सुपरवाईजर अर्थात कुल 45 सुपरवाईजर नियुक्त किये गये है।जनपद में पाये जाने वाले समस्त प्रकार के पशुओं यथा गोवंश, महिषवंश, भेड़, बकरी, सूकर, पक्षी प्रजाति एवं अश्व प्रजाति की गणना मोबाईल ऐप के माध्यम से मोबाईल द्वारा की जायेगी।मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा० ओम प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा यह बताया गया कि पशुगणना कार्य की मानिटरिंग हेतु जनपद स्तर पर डा० संजय कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (पशुचिकित्सा एवं स्वास्थ्य) मुख्यालय को जनपदीय नोडल अधिकारी नामित किया गया हैं। जिनका मो० नं0 9918229696 है।उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान डा० संजय कुमार, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी जौनपुर, डा० धर्मेन्द्र सिंह, डा० पवन कुमार, डा० अल्का मनीषा, एवं पशुधन प्रसार अधिकारी विजय सिंह, सुनील कुमार सिंह, मानवेन्द्र सिंह, राजकुमार, महिमा श्रीवास्तव, चन्द्रसेन यादव एवं पैरावेट्स कौशिक यादव, अवधेश यादव, सुर्यप्रकाश यादव, विपिन यादव, विजय मिश्रा तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहें।

डीएम ने की एनएच की समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में एनएच की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक में जिलाधिकारी ने एनएच के अन्तर्गत चल रही परियोजनाओं, प्रभावित ग्राम, तहसीलवार भुगतान की स्थिति, अवशेष लाभार्थी जिनका भुगतान होना अभी शेष है आदि की समीक्षा करते हुए लेखपालों से लम्बित भुगतानों के सन्दर्भ में जानकारी ली और अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि भुगतान की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर ली जाए। इस अवसर पर ज्वांइट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, उप जिलाधिकारीगण सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विरार में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

मुंबई। विरार पूर्व फूलपाढ़ा में उमेश पांडेय के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य आयोजन किया गया है। कथावक्ता आचार्य पंडित हर्षचरित पांडेय के मुखार बिंदु से दिव्य कथामृत का रसास्वादन किया जारहा हैं। रविवार को द्वितीय दिवस की कथा में आचार्यश्री ने भक्तों को बताया कि व्यक्ति को सदैव सत्कर्म हेतु सजग रहना चाहिए तथा आचार्यश्री द्वारा गाये भजन से भक्तजन भाव विभोर हो गये। कथा के मुख्य अतिथि विक्रोली से पधारे अरविंद शुक्ल। मुख्य आयोजक उमेश कुमार पांडेय,संतोष पांडेय, विनय पांडेय, प्रभास पांडेय सहित समस्त पांडेय परिवार एवं क्षेत्र के श्रद्धालु भक्त उपस्थित होकर कथा को श्रवण कर रहे हैं.

सरोजा देवी पांडेय का निधन

मुंबई। विक्रोली पार्क साईट स्थित आदर्श सोसायटी के ब्रह्मदेव पांडेय की धर्मपत्नी सरोजा देवी पांडेय का गत दिनों मे हृदयाघात से अकस्मात निधन हो गया। उनके निधन पर शोकाकुल परिजन ब्रम्हदेव पांडेय, दिनेश पांडेय (पंकज), सुशील पांडेय, दुर्गेश पांडेय, कार्तिक पांडेय, आदित्य पांडेय, जयप्रकाश मिश्रा, मीरा दुबे, राधा तिवारी सहित समस्त परिवार के प्रति श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, दिवाकर मिश्र,दलजीत पांडेय, राजकुमार तिवारी, बाबुलनाथ तिवारी, पत्रकार अखिलेश तिवारी, ध्रुव तिवारी,विमलेश मिश्र, बृजेश शुक्ल, पत्रकार आदेश मिश्र, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, सुनील सिंह, अनिल सिंह, आशीष तिवारी, संदीप त्रिपाठी, शुभम सिंह, विमलेश पांडेय, वकील यादव, विशाल सिंह तथा क्षेत्र के तमाम लोगों ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दें और परिजन को इस आघात से उबरने की शक्ति प्रदान करें।

वर्ल्डलाइन इंडिया ने इंडिविश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग में जल संजीवनी प्रोजेक्ट के माध्यम से महाराष्ट्र में 26 जलाशयों को नया जीवन दिया

शाहपुर। वर्ल्डलाइन इंडिया ने अपने सीएसआर प्रोग्राम के तहत जल संजीवनी पहल के लिये अपना सहयोग जारी रखने की घोषणा की है। उसके सीएसआर प्रोग्राम ने ग्रामीण महाराष्ट्र में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और कमाई में सुधार करने में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिये अपनी प्रतिबद्धता के तहत वर्ल्डलाइन इंडिया की सीएसआर शाखा ने 26 जलाशयों की डिसिल्टिंग करके उन्हें नया जीवन दिया है। पानी की भंडारण क्षमता में उसका योगदान 29.5 करोड़ लीटर रहा है। इस पहल ने भूमिगत जल के स्तरों को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे 2000 से अधिक किसानों का फायदा हुआ है। 285 किसानों को तो खेती के लिये अच्छी सिल्ट का इस्तेमाल करने से सीधे सकारात्मक नतीजे मिले हैं। यह परियोजना अप्रैल 2023 में इंडिविश वेलफेयर फाउंडेशन के संचालन में शुरू हुई थी और महाराष्ट्र की कई जगहों में इसका विस्तार किया गया। इनमें शाहपुर, मुर्बाद, मराठवाड़ा और दूसरे क्षेत्र शामिल हैं। उम्मीद है कि इस कदम से खेती, मवेशियों और मत्स्यपालन के लिये पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और किसानों को सूखे मौसम में भी दूसरी फसल के लिये जरूरी पानी मिल सकेगा।

प्रेमीका नें लगाए प्रेमी पर शारीरिक शोषण के आरोप, प्रेमिका पहले से ही है शादीशुदा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद क्षेत्र में विवाहिता और उसके प्रेमी के बीच का प्रेम प्रसंग विवाद में बदल गया।जब विवाहिता ने प्रेमी पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी। पुलिस प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मिजार्मुराद क्षेत्र की एक महिला, जिसकी शादी 12 वर्ष पूर्व चोलापुर क्षेत्र में हुई थी। अपने पति के अविवाहित दोस्त के साथ प्रेम संबंध में पड़ गई। इस रिश्ते की शुरूआत नजदीकी दोस्ती से हुई।लेकिन धीरे-धीरे यह गहराता गया। एक महीने पहले विवाहिता मुंबई अपने भाई के घर गई, जहां उसका प्रेमी भी पहुंच गया। इस घटना की सूचना पति ने पुलिस को दी।जिसके बाद पुलिस ने विवाहिता और उसके प्रेमी को थाने बुलाया। मामले में विवाहिता के पति ने अपनी पत्नी के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया। उधर, विवाहिता अपने प्रेमी के साथ शादी करने की जिद पर अड़ी रही। लेकिन प्रेमी ने कहा कि वह कानूनी रूप से पति से तलाक होने के बाद ही विवाह करेगा। प्रेमी की बातें सुनकर नाराज विवाहिता ने उसपर शारीरिक शोषण का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रेमी को हिरासत में ले लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर इलाके में चचार्एं हो रही हैं।

मिजोरम के 6 वर्षीय जोशुआ ने कोलकाता के मेडिका में कैंसर पर विजय पाई

मुंबई। छह साल के एक बहादुर बच्चे का साहसी प्रयास मिजोरम के सुरम्य राज्य के पहाड़ों में गूंज रहा है। 2023 में, जोशुआ (बदला हुआ नाम), एक किंडरगार्टन छात्र, लगातार चक्कर आना, मतली और गंभीर सिरदर्द का अनुभव करने लगा - ऐसे लक्षण जो उसके परिवार को हैरान कर रहे थे। कुछ दिनों के भीतर, उसकी हालत खराब हो गई, और उसे मिजोरम के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ परिवार को यह विनाशकारी समाचार मिला कि जोशुआ के मस्तिष्क के पीछे एक जानलेवा ट्यूमर बन गया है। सर्वोत्तम संभव देखभाल की तलाश में, उन्होंने एक मित्र की सलाह का पालन किया और आगे के उपचार के लिए कोलकाता के मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल गए। रोग की पहचान से लेकर ठीक होने तक का उनका सफर, उस युवा लड़के की बहादुरी और मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की मेडिकल टीम द्वारा प्रदान की गई अथक सेवाओं की कहानी है, जिसमें डॉ. हर्ष जैन, वरिष्ठ कंसल्टेंट - न्यूरोसर्जन और स्पाइन सर्जन, डॉ. सायन दास, वरिष्ठ कंसल्टेंट और प्रमुख (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) और डॉ. प्रदीप कुमार मोंडल, कंसल्टेंट, मेडिकल और हेमेटो-ऑन्कोलॉजी शामिल हैं। डॉ. प्रदीप कुमार मंडल, जिन्होंने कीमोथेरेपी का प्रभार संभाला, ने साझा किया, ₹कीमोथेरेपी क्लासिक मेडुलोब्लास्टोमा के उपचार में एक आवश्यक भूमिका निभाती है, खासकर तब जब ट्यूमर को शल्य चिकित्सा द्वारा हटा दिया गया हो और स्थानीय क्षेत्रों का विकिरण द्वारा उपचार किया गया हो। कीमोथेरेपी कैंसर कोशिकाओं पर कार्य करती है जो मस्तिष्क के अन्य क्षेत्रों या रीढ़ की हड्डी तक फैल सकती हैं। इससे प्रारंभिक उपचारों में प्रभावशीलता बढ़ जाती है, पुनरावृत्ति कम हो जाती है, और उम्मीद है कि जीवित रहने की दर बढ़ जाती है। कीमोथेरेपी सत्रों के दौरान, मैंने हमारे युवा चैंपियन की असाधारण शक्ति और लचीलापन देखा है और आखिरकार, 25 जुलाई 2024 को मेडिका में कोर्स पूरा हुआ।

टाटा सन्स - द न्यूयॉर्क अकादमी ऑफ साइंसेस के विजेता घोषित

मुंबई। टाटा सन्स और द न्यूयॉर्क अकादमी ऑफ साइंसेस ने आज टाटा ट्रांसफॉर्मेशन प्राइज के विजेताओं के दूसरे दल की घोषणा की। यह पुरस्कार भारत के दूरदर्शी वैज्ञानिकों को सम्मानित करता है, जो खाद्य सुरक्षा, स्थिरता और स्वास्थ्य सेवा में भारत की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने वाली सफल तकनीकें विकसित कर रहे हैं। पुरस्कार का लक्ष्य प्रभावशाली नवाचार को बढ़ावा देना और लक्षणीय प्रभाव की क्षमता रखने वाले शोध के कार्यान्वयन को बढ़ाना है। अग्रणी विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय जूरी द्वारा 18 भारतीय राज्यों से 169 एंट्रीज में से तीन वैज्ञानिकों का चयन किया। दिसंबर 2024 में मुंबई में एक समारोह में हर विजेता को 2 करोड़ रुपयों से (लगभग वर$240,000) सम्मानित किया जाएगा। जूरी में एपल, आईबीएम रिसर्च, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बैंगलोर सहित विभिन्न उद्योगों, सरकार और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, क्लिनिशियन, टेक्नोलॉजिस्ट और इंजीनियर शामिल थे। निकोलस बी डर्क्स, प्रेसिडेंट-सीईओ, द न्यूयॉर्क अकादमी ऑफ साइंसेस ने कहा, टाटा ट्रांसफॉर्मेशन प्राइज के विजेताओं के दूसरे दल का अभिनन्दन! कुपोषण और मधुमेह जैसी भारत की समस्याओं को संबोधित करने से लेकर, सबसे वंचित आबादी में मृत्युदर को कम करने वाले आरएसवी टीके तक, हरित, लागत प्रभावी बैटरी प्रौद्योगिकियों के जरिए भारत की ऊर्जा भंडारण क्षमता में सुधार करने तक, यह वैज्ञानिक भारतीय समाज की उन्नति के लिए इन नवाचारों का उपयोग कर रहे हैं। इस विजनरी पुरस्कार को स्पॉन्सर करने के लिए टाटा के और हमारी स्वतंत्र ज्यूरी ने अपना समय और निपुणताओं का योगदान दिया उसके लिए उनके हम आभारी हैं। 2024 टाटा ट्रांसफॉर्मेशन प्राइज के विजेता हैंःअमर्त्य मुखोपाध्याय, पीएचडी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (सस्टेनेबिलिटी): स्थायी ऊर्जा समाधानों की तत्काल वैश्विक आवश्यकता के साथ, किफायती, पर्यावरण-अनुकूल बैटरियों का विकास महत्वपूर्ण है। भारत में, जहां लिथियम-आयन (ली-आयन) बैटरियों के लिए लिथियम और कोबाल्ट जैसी प्रमुख सामग्री दुर्लभ हैं और उन्हें विदेशी स्त्रोतों की आवश्यकता होती है, सोडियम-आयन (ठं-आयन) बैटरियां एक आशाजनक विकल्प प्रदान करती हैं। अमर्त्य मुखोपाध्याय, पीएचडी, सामग्री विज्ञान में हाल ही में हुई सफलताओं के माध्यम से ठं-आयन बैटरी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। उनकी बैटरी प्रोटोटाइप छ-आयन बैटरियों की तुलना में लगभग 30% सस्ती है, व्यापक तापमान सीमा में संचालित होती है, और हवा और पानी में स्थिर सोडियम-संक्रमण मेटल ऑक्साइड कैथोड और मिश्र धातु-आधारित एनोड बनाकर स्टोर करने के लिए सुरक्षित है। प्रो. मुखोपाध्याय का दृष्टिकोण बैटरी इलेक्ट्रोड के ₹जलीय प्रोसेसिंग₹ का भी लाभ उठाता है, जो उत्पादन लागत और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए जहरीले सॉल्वैंट्स को पानी से बदल देता है।

औराई में अबोध जुड़वा बच्चियों को दूध में जहर पिलाकर पिता ने फांसी लगाकर दी जान

भदोही(उत्तरशक्ति)। औराई कोतवाली क्षेत्र के बेजवां पाही उगापुर में सोमवार की सुबह एक पिता ने अपनी दो जुड़वा अबोध बच्चियों को दूध में जहर देने के बाद खुद आम के पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। एक साथ तीन मौत से पूरे इलाके में सनसनी मच गई। बताया जा रहा है कि युवक की पत्नी बीते 19 को किसी के साथ भाग हो गई थी। जिससे वह अवसाद में था। औराई कोतवाली के बेजवां पाहीपुर उगापुर निवासी ओमप्रकाश यादव (27) की पत्नी बीते 19 नवंबर को गायब हो गई। जिसके संबंध में उसने औराई कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। इस बीच, उसे पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ भागी है।जिससे वह अवसाद में चला गया।

रविवार की देर रात उसने अपनी 14 माह की दो जुड़वा बच्चियों आसी व प्रियांशी को दूध में जहर देकर पिला दिया। जिससे दोनों अबोध की जान चली गई। इसके बाद वह घर के करीब 500 मीटर दूर जाकर नीम के एक पेड़ में साड़ी के सहारे फंदा लगाकर अपनी जान भी दे दी। सुबह उसका शव देखते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। इधर घर में उसकी दोनो बेटियां भी बिस्तर पर मरणासन्न पड़ी थीं। घटना की जानकारी होते ही सीओ अजय चौहान समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे और उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

लुईस फिलिप ने शादियों के इस सीजन के लिये मुंबई मे पेश किया रॉयल वेंडिंग ट्रेजर्स

मुंबई। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के प्रतिष्ठित मेन्सवियर ब्रैंड लुईस फिलिप ने अपनी नई रॉयल वेडिंग ट्रेजर्स कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कलेक्शन आज के आधुनिक दूल्हे के लिए डिजाइन किया गया है, जो पारंपरिकता को सम्मान देते हुए समकालीन स्टाइल को अपनाना चाहता है। यह कलेक्शन ब्रैंड की अद्वितीय कारीगरी और खूबसूरती को प्रदर्शित करता है, जो निश्चित रूप से दूल्हे के आत्मविश्वास और आकर्षण को शादी के खास दिन पर और बढ़ाएगा। लुईस फिलिप का खास ह्यरॉयल वेडिंग ट्रेजर्स कलेक्शन परंपरागत विवाह समारोहों की भव्यता एवं सांस्कृतिक समृद्धि को दिखाता है। इसमें डिजाइन के आधुनिक तत्वों को भी बड़ी ही आसानी से शामिल किया गया है। हर पीस एक सुंदर आर्ट वर्क प्रस्तुत करता है और इन्हें वेलवेट जैसे प्रीमियम फैब्रिक्स से कुशलतापूर्वक बनाया गया है। साथ ही खूबसूरत जड़ाई का काम भी इसमें हुआ है। बंदगले पर महीन एम्ब्रॉइडरी और सीक्विन्स का काम किया गया है, जोकि रॉयल मोटिफ्स से प्रेरित है। इनमें की गई कारीगरी का स्तर जो दूल्हे के परिधान को राजसी दर्जा देता है। इस कलेक्शन में पुराने जमाने के डिजाइन और नए जमाने के फैशन का संयोजन किया गया है। इसमें टू-पीस और थ्री-पीस सूट्स तथा समारोहों में पहनने के लिए शट्र्स पेश की गई हैं। ये कपड़े शादियों में दूल्हे के लिए बहुत अच्छे लगते हैं और उन्हें खास बनाते हैं। इन कपड़ों के रंग बहुत ही खूबसूरत हैं, जैसे कि डीप रॉयल ब्लूज, रिच ग्रीन्स, क्लासिक आइवरी तथा गोल्ड। इसमें ब्रांड की क्लासिक विशेषज्ञता को आधुनिक डिजाइनों एवं शानदार टेक्सचर्स के साथ मिलाया गया है और ये दूल्हे को एक अलग ही लुक देंगे। इस कलेक्शन के बारे में बात करते हुए, लुईस फिलिपे की मुख्य परिचालन अधिकारी सुश्री फरीदा कलियादान ने कहा, लुईस फिलिप में हमारा मानना है कि परंपरा को देखते हुए शादियों में खुद की शख्सियत को दिखाना बहुत मायने रखता है।

उमेश गुप्ता की बेटी की शादी में लगा नामचीन हस्तियों का जमावड़ा

-सुरेश गांधी

वाराणसी। कारपेट इक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के पूर्व प्रशासनिक सदस्य उमेश गुप्ता मुन्ना की बेटी चारुश्री गुप्ता की शादी में कारपेट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा कई नामचीन हस्तियों का जमावड़ा रहा। भदोही के सेलीब्रेशन लॉन में रविवार को धूमधाम से संपंन हुई इस वैवाहिक समारोह में चारुश्री गुप्ता पुत्री सुशीला पत्नी उमेश गुप्ता एवं मृणाल भाटिया पुत्री सुनीला पत्नी राजकमल भाटिया हर हर महादेव जयघोष के बीच एक-दुसरे को वरमाला पहनाया। इसके बाद रग सेंटर स्थित आवास में अग्नि को साक्षी मानकर वैदिक मंत्रोचार के बीच सात फेरे लेते हुए सात जन्मो तक के लिए एक-दुसरे के हो गए। शादी में शामिल होने वालों में सीईपीसी के पूर्व चेयरमैन वीआर शर्मा, सिद्धनाथ सिंह, पदेन चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल, काका ओवरसीज ग्रूप के डायरेक्टर योगेन्द्र राय काका, प्रशासनिक समिति के सदस्य मो. वासिफ अंसारी, अनिल कुमार सिंह, असलम महबूब, दीपक खन्ना, रवि पटोदिया, हुसैनी जाफर हुसैन, गुलाब गुप्ता, प्रभुदयाल गुप्ता पंकज बरनवाल, रुपेश बरनवाल, पीयूष कुमार बरनवाल सीईपीसी के पूर्व सदस्य घनश्याम शुक्ला, राजेन्द्र मिश्रा, नामित बरनचवाल, प्रत्युश बरनवाल, विनय कमार जैन, एकमा के पूर्व अध्यक्ष ओंकारनाथ मिश्रा, ओंकारनाथ मिश्रा बच्चा भैया, प्रत्युश बरनवाल, ओपी कारपेट के वेद गुप्ता, एकमाध्यक्ष मो रजा खां, मौलाना फैसल अशरफी, मैंब वूलेन के रियाजल हसनैन अंसारी बाबू भाई, कुंवर शमीम अंसारी, मकसद अहमद, पूर्व ब्लाक प्रमुख दिनेश यादव, रंजन जायसावल आदि उनकी शादी के गवाह बने और वर वधू को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया। बता दें, कारपेट इंडस्ट्री के सबसे बड़े संगठन कारपेट इक्स्पोर्ट कौंसिल के नौ बार के प्रशासनिक सदस्य रह चुके उमेश गुप्ता मुन्ना की संतानों में सबसे छोटी बेटी चारुश्री की शादी दिल्ली के राजकमल भाटिया के पुत्र मृणाल से हो गई। इस अवसर पर गणमान्य मेहमानों के अलावा कई वीवीआइपी मेहमानों ने वर वधू को बाबा विश्वनाथ से सुखमय में जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया।

बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित युग निर्माण सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न

भदोही(उत्तरशक्ति)। रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित युग निर्माण बालिका पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम खेवखर पोस्ट अभोली, जिला भदोही, उत्तर प्रदेश, में युग निर्माण सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सुचारू रूप से संपन्न हुई। जिसमें लगभग 300 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें 83 मेधावी छात्रों को, साईकिल, स्कूल बैग, कलाई घड़ी, लंच टिफिन बॉक्स, मेडल, सर्टिफिकेट देकर, सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार, छात्रा कुमारी महिमा पुत्री छोटेलाल बिंद एवं द्वितीय पुरस्कार छात्र पवन कुमार पुत्र सूरज कुमार बिंद ने बाजी मारी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ सुजीत कुमार बिंद सहित, युवा सेना अध्यक्ष दिनेश कुमार बिंद, राष्ट्रीय सूचना मंत्री अरविंद कुमार बिंद, भदोही जिला संगठन मंत्री मोहनलाल बिंद ,डॉ सुशील कुमार बिंद, प्रधानाचार्य रमाशंकर बिंद, अध्यापक रमाकांत बिंद, अशोक कुमार बिंद, विपिन कुमार, संजू यादव, सविता बिंद, समस्त अतिथिगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन संघ के युवा सेना भदोही जिला अध्यक्ष राहुल कुमार बिंद ने किया। मुख्य अतिथि डॉ सुजीत कुमार बिंद ने कहा कि जिस तरह से संघ द्वारा एवं उनके कार्यकताओं द्वारा छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाने के लिए उनके बुद्धि विवेक को मजबूत करने के लिए ऐसा कार्यक्रम हर जिले से लेकर शहरों तक यह संगठन कार्य कर रहा है। संघ की जितनी तारीफ की जाए उतना कम है। डॉ बिंद ने कहा कि ऐसे संगठन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उद्योगपतियों सहित सभी समाजसेवियों को आगे आना चाहिए, और बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। ताकि ऐसी उच्च सोच जैसे संगठनों को आगे बढ़ाया जा सके और देश एवं छात्र-छात्राओं के भविष्य को मजबूत बनाया जा सके। आए हुए सभी छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने संघ तथा कार्यकताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिए आनलाइन आवेदन 31 दिसंबर तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने अवगत कराया है शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा-9-10) की कक्षाओं से सम्बन्धित पाठ्यक्रमो का मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन, लॉक करने संशोधित समय सारिणी निर्गत की गयी है। जिसकी प्रक्रियात्मक कार्यवाही का विवरण निम्नवत है। प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिए आनलाइन आवेदन करने की कार्यवाही किया जाना। जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्षा समस्त प्रपत्र प्रस्तुत करना। तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करने (नवीन संस्थाएँ) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनाएँ भरकर/अपलोड करके प्रमाणित करने की पूर्व निर्धारित समयावधि 10 जुलाई, 2024 से 02 सितम्बर,2024 तक थी जिसकी प्रस्तावित समयावधि 31 दिसम्बर 2024 तक बढायी गयी है।सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणिकता के आनलाइन सत्यापित करने की पूर्व निर्धारित समयावधि 11 जुलाई,2024 से 06 सितम्बर,2024 तक थी जो अब बढाकर 21 जनवरी,2025 से 28 जनवरी, 2025 तक की गयी है। छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन किया जाने की पूर्व समायावधि 10 जुलाई 2024 से 31 अक्टूबर, 2024 थी और जिसकी प्रस्तावित समयावधि 13 जनवरी, 2025 तक निर्धारित की गयी है।अतःशैक्षिक सत्र 2024-25 हेतु पूर्वदशम (कक्षा 9-10) जारी समय सारिणी के अनुसार कार्यवाही किये जाने हेतु जनपद की समस्त शिक्षण संस्थाओं को अवगत कराया है कि आनलाइन मास्टर डाटाबेस तैयार करने,सत्यापन,लॉक करनें एवं छात्रों को छात्रवृत्ति आवेदन समयान्तर्गत करान सुनिश्चित करे।

खण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का फिता काटकर किया गया शुभारंभ

बिलरियागंज, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। स्थानीय विकास खण्ड बिलरियागंज के नगर पालिका परिषद बिलरियागंज में बघैला के खेल मैदान में ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को किया गया। खेल का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख के प्रतिनिधि रमेश चंद्र यादव ने फीता काटकर किया। ब्लॉक प्रमुख बिलरियागंज के पति प्रतिनिधि ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया।बच्चों की प्रतियोगिता प्रारंभ हुई ।विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और अपना दमखम दिखाया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख के प्रतिनिधि रमेश चंद यादव कहां की इस तरह के आयोजन से पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे जाने का अवसर मिलता है। सभी विद्यालय के बच्चे भी किसी कॉन्वेंट से कम नहीं हैं,बस उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल के अधिकारी अनिल कुमार खरवार ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों का जहां विकास होता है तो वही उनके अंदर की प्रतिभा को निखरने का मौका मिलता है। 1500 मीटर की दौड़ में अरविंद यादव प्रथम, गोपाल प्रजाति द्वितीय, अंकित तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर की दौड़ में नितीश कुमार प्रथम,सिद्धार्थ सरोज द्वितीय, शिवम मौर्य तृतीया बालिका वर्ग में बालिका वर्ग में प्रतिभा मौर्य प्रथम सलोनी प्रजापति द्वितीय, निर्जला यादव तृतीय स्थान मिला। गोला फेंकने में अनुराग यादव प्रथम अमन द्वितीय बालिका में मनीषा प्रथम पूजा द्वितीय अंजलि तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसमें उपस्थित रहे अशोक कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, अरुण कुमार, सुनीलकुमार खरवार, सूर्यभान, सत्यप्रकाश, निकेश कुमार, राजेश कुमार आदि।

भाजपा नेता बाबूभाई भवानजी ने भिक्षु संघ के प्रति आभार जताया

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने आज मुंबई भिक्षु संघअध्यक्ष श्री विरांतना महाथेरा जी और अन्य भंते जी को और पदाधिकारियों से मिलकर उन्हें विधान सभा चुनाव में महायुति का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि इस बार मुंबई प्रदेश भिक्षु संघ ने खुलकर महायुति के पक्ष में खुलकर प्रचार किया था और सभी दलितों से महायुति विजयी बनाने की अपील की थी। इस अवसर पर भवानजी ने कहा कि दलित समाज हिंदू समुदाय का एक महत्वपूर्ण घटक है इसलिए दलित समुदाय को मजबूत करने का काम बाकी सभी घटकों को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर एस एस प्रमुख प. पु.मोहन भागवत कई वर्षों से कहते आ रहे हैं कि जिस तरह से पीएम मोदीजी दलितों आदिवासियों , पिछड़ों और गरीबों की स्थिति में सुधार के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं उसी तरह का प्रयास सभी को करना चाहिए। भवानजी ने पीएम मोदी जी से अनुरोध किया है कि दलित समाज को सरकार और योजनाओं में उचित हिस्सा देकर इस समुदाय को सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए। उन्होंने बीजेपी नेतृत्व से अपील की है कि हिंदू बहुल क्षेत्रों में दलित समुदाय के नेता को उम्मीदवार बनाना चाहिए और दलित समुदाय बहुल क्षेत्रों से हिंदू समुदाय के नेता को उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। जिससे दूरियां का खत्मा होगा और हिंदुत्व मजबूत हो भारत मजबूत हो, जो हरेक हिन्दू की चाहत है, के डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जी का सपने का भारत हो आगे भवानजी ने कहा कि हम सब एक रहेंगे तोही सैफ रहेंगे गौरतलब है हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू समाज के लिए जातिगत मतभेदों को दूर करने तथा दलितों और कमजोर वर्गों के साथ जुड़ने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने दावा किया कि एक डीप स्टेट देश को जाति और समुदाय के आधार पर बांटने के लिए काम कर रहा है, जिसमें कुछ राजनीतिक दल अपने स्वार्थी हितों के लिए इसमें शामिल हैं। भागवत ने कहा कि विविधता की मौजूदा स्थिति ने संतों और देवताओं के बीच भी विभाजन पैदा कर दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि वाल्मीकि जयंती केवल वाल्मीकि बस्तियों में ही क्यों मनाई जानी चाहिए, उन्होंने जोर देकर कहा कि रामायण लिखने वाले वाल्मीकि ने पूरे हिंदू समुदाय के लिए एक विरासत बनाई। उन्होंने सभी हिंदुओं द्वारा वाल्मीकि जयंती और रविदास जयंती जैसे त्योहारों को सामूहिक रूप से मनाने की वकालत की, इस बात पर जोर देते हुए कि आरएसएस का उद्देश्य यही संदेश फैलाना है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सामाजिक सद्भाव और आपसी सद्भावना स्वस्थ समाज के लिए मूलभूत हैं। उन्होंने तर्क दिया कि केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं; समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों और परिवारों के बीच सच्ची मित्रता आवश्यक है। उन्होंने कहा, ₹भाषाएँ विविध हो सकती हैं, संस्कृतियाँ विविध हो सकती हैं, भोजन विविध हो सकता है, लेकिन व्यक्तियों और परिवारों की यह मित्रता समाज में सद्भाव लाएगी। भागवत ने मंदिरों और सामुदायिक सुविधाओं जैसे सार्वजनिक स्थानों में समावेशी वातावरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, समाज से आग्रह किया कि वे कमजोर वर्गों की परिस्थितियों से उत्पन्न होने वाली विशिष्ट आवश्यकताओं को समझें। उन्होंने वाल्मीकि समुदाय के सदस्यों के साथ एक बैठक का उदाहरण साझा किया, जहाँ राजपूत प्रतिनिधियों ने आपसी सहयोग की भावना को प्रदर्शित करते हुए दलित बच्चों को अपने स्कूल में निःशुल्क दाखिला देने की पेशकश की।